RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 173 , बुधवार, 05 अगस्त 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

रामगढ़वा में शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ चेहल्लुम, प्रशासनिक अधिकारियों ... 03

सफाई कर्मियों ने पूर्व डिप्टी सीएम रेणु देवी के आवास का किया घेराव 04

फिल्मों में दमदार किरदार चाहती हैं अविका गौर, बोलीं- फर्नीचर... 07

संक्षिप्त समाचार

पंजाब में आईएसआई समर्थित आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़

रेलवे ट्रैक पर सीसीटीवी कैमरा लगाकर रेकी कर रहे थे आरोपी

अमृतसर (एजेंसी)। अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के समर्थन से संचालित आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में 4 नाबालिगों समेत कुल 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के कब्जे से 3 अवैध पिस्तौल, 9 जिंदा कारतूस और पेट्रोल से भरी 4 बोतलें, जिन्हें बम के रूप में इस्तेमाल किया जाना था बरामद की गई हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपी

विदेश में बैठे आईएसआई हैंडलरों के संपर्क में थे और उनके निर्देश पर काम कर रहे थे। पुलिस के अनुसार इन युवकों को आतंकी गतिविधियों के लिए तैयार किया जा रहा था। उन्हें सुरक्षा प्रतिष्ठानों की रेकी करने, अवैध हथियार जुटाने और पंजाब में शांति एवं कानून व्यवस्था को प्रभावित करने जैसे कार्य सौंपे गए थे। जांच के दौरान एक और चौंकाने वाला खुलासा हुआ है।

तमिलनाडु के नेता विपक्ष उदयनिधि गिरफ्तार, फिर रिहा

एक्ट्रेस तृषा पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के नेता प्रतिपक्ष और डीएमके नेता उदयनिधि स्टालिन को अभिनेत्री तृषा पर आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने उनके खिलाफ 6 धाराओं में केस दर्ज किया है। गिरफ्तारी से बचने के लिए उदयनिधि ने मद्रास हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत की अर्जी दाखिल की थी। हालांकि, उस पर

सुनवाई होने से पहले ही पुलिस ने उन्हें अरेस्ट कर लिया। हालांकि बाद में हाईकोर्ट के निर्देश पर रिहा कर दिया गया। सोमवार को तंजावुर में कावेरी जल विवाद पर आयोजित रैली में उदयनिधि मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय पर निशाना साध रहे थे। इसी दौरान भीड़ से तृषा, तृषा के नारे लगे। आरोप है कि इस पर उन्होंने कहा, पानी कहीं और पहुंचे या न पहुंचे, वहां जरूर पहुंचना चाहिए। बाद में उन्होंने सफाई दी कि उनका इशारा कावेरी के पानी की ओर था।

सिंधु जल पर पाकिस्तान पिटा

गंगा जल पर बांग्लादेश की बारी

● बैठक के लिए लगातार मांग रहा वक्त, भारत नहीं दे रहा है भाव!

ढाका/नई दिल्ली (एजेंसी)। गंगा जल संधि भारत और बांग्लादेश के बीच के विवाद का नया केन्द्र बन गया है। गंगा जल संधि इस साल दिसंबर में खत्म हो रहा है और बांग्लादेश सरकार ने इसको लेकर एक आंतरिक विशेषज्ञ समिति बनाई है। इस समिति का काम 30 साल पुरानी इस संधि के भविष्य पर आगे की बात करना है और इसने नई दिल्ली को चर्चा शुरू करने का अनुरोध भेजा है। दिप्रिंट ने मामले की जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति के हवाले से बताया है कि बांग्लादेश ने 8 जून को बातचीत का अनुरोध भेजा था लेकिन भारत की तरफ से कोई जवाब नहीं दिया गया। दिप्रिंट की रिपोर्ट के मुताबिक सरकारी सूत्रों का कहना है कि बातचीत सही तरीके से यानी जॉइंट रिवर्स कमीशन के जरिए और ऐसे समय पर होगी जो दोनों पक्षों के लिए सुविधाजनक हो। ढाका ने 2026 की भौगोलिक स्थितियों को ध्यान में रखते हुए सीमा-पार नदियों के पानी के बंटवारे से जुड़े अलग-अलग पहलुओं पर नई दिल्ली के साथ बातचीत करने के लिए एक आंतरिक समिति बनाने का कदम उठाया है।

गंगा जल को लेकर भारत-बांग्लादेश में बढ़ा विवाद

दोनों देशों के बीच 54 नदियां बहती हैं। 12 दिसंबर 1996 को तत्कालीन प्रधानमंत्री देवेगौड़ा और शेख हसीना के बीच हुई गंगा जल संधि पर दस्तखत किए गये थे और ये संधि 30 सालों के लिए था जो इस साल दिसंबर में खत्म हो रहा है। यह संधि 1949 और 1988 के बीच पानी के बहाव के आकलन के आधार पर तैयार किए गए एक फॉर्मूले और एक सांकेतिक शेड्यूल के तहत तैयार किया गया। इसके तहत साल के शुरुआती छह महीनों यानि 1 जनवरी से 31 मई के दौरान पश्चिम बंगाल में फरक्का बैराज से छोड़े जाने वाले पानी की न्यूनतम मात्रा तय करती है। अगर फरक्का बैराज पर पानी की उपलब्धता 70,000 क्यूसेक से कम हो जाती है तो दोनों देशों को लगभग 50 प्रतिशत हिस्सा मिलता है। अगर बहने वाले पानी की मात्रा 75,000 क्यूसेक से ज्यादा है तो भारत को लगभग 40,000 क्यूसेक पानी मिलता है और बाकी पानी बांग्लादेश चला जाता है। सिवाय 11 मार्च से 10 मई के बीच की अवधि के। इस अवधि के दौरान भारत और बांग्लादेश दोनों को 10-10 दिनों के तीन बारी-बारी वाले दौरों में 35,000 क्यूसेक पानी मिलने की गारंटी होती है।

बांकीपुर में भाजपा की हार के बाद हलचल हुई तेज

● पीएम मोदी से मिले नीतिश और ललन सिंह संजय झा भी थे साथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार की बांकीपुर विधानसभा सीट पर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की करारी हार के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पूर्व मुख्यमंत्री नीतिश कुमार की मुलाकात हुई है। भाजपा की सहयोगी पार्टी जनता दल यूनाइटेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतिश ने मंगलवार को नई दिल्ली स्थित संसद भवन परिसर में पीएम से उनके चैंबर में मुलाकात की। इस दौरान केंद्रीय मंत्री ललन सिंह और जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा भी मौजूद रहे। नीतिश ने इसे शिष्टाचार भेंट बताया है। हालांकि, बांकीपुर उपचुनाव में भाजपा की हार के बाद यह मुलाकात सियासी गलियारों में चर्चा का विषय बनी हुई है।

किसी के कान का पर्दा फटा किसी का कंधा हुआ चोटिल

● एअर इंडिया की फुकेट-दिल्ली फ्लाइट टर्बुलेंस में फंसी

हवा में तेज झटके लगे, विमान की सीलिंग में दरारें आईं

नई दिल्ली (एजेंसी)। एअर इंडिया की फुकेट से दिल्ली आने वाली फ्लाइट एआई 2379 मंगलवार को टर्बुलेंस (तेज हवा के झटकों) में फंस गई। तेज झटकों के कारण फ्लाइट हिलने लगी और अचानक नीचे आने लगी। हालांकि, पायलट ने स्थिति संभाली और फ्लाइट को दिल्ली एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतार दिया। न्यूज एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से बताया कि हादसे में विमान में सवार 12 लोग घायल हुए हैं। इनमें यात्री और क्रू मेंबर्स शामिल हैं। घायलों को दिल्ली एयरपोर्ट के मेडिकल सेंटर में जांच और इलाज के लिए भेजा गया है। एअर इंडिया ने पहले बताया था कि सभी यात्री और क्रू सुरक्षित हैं। किसी के गंभीर रूप से घायल होने की खबर नहीं है। घटना की जांच की जा रही है। टर्बुलेंस के बाद फ्लाइट की तस्वीरें सामने आई हैं, जिनमें प्लेन की सीलिंग के पैनल में दरारें दिखीं। टर्बुलेंस का मतलब है हवा का बहाव अचानक बदल जाना, जिससे विमान को झटके लगने लगते हैं। इस दौरान विमान कुछ समय के लिए ऊपर-नीचे या दाएं-बाएं हिल सकता है और कभी-कभी कुछ फीट नीचे भी आ जाता है। इसी वजह से यात्रियों को लगता है कि विमान गिर रहा है। हालांकि, ज्यादातर मामलों में ऐसा नहीं होता। टर्बुलेंस को ऐसे समझ सकते हैं, जैसे ऊबड़-खाबड़ सड़क पर चलती कार अचानक हिलने लगती है। कुछ टर्बुलेंस हल्के होते हैं, जबकि कुछ ज्यादा तेज हो सकते हैं।

भारतीय एजेंट्स ने हमारे 30 लोगों की कर दी हत्या

● आतंकी बोला-पेशावर से रावलपिंडी तक हमले किए

इस्लामाबाद (एजेंसी)। इस्लामाबाद में लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े आतंकी रिजवान हनीफ ने दावा किया है कि पिछले तीन-चार साल में उनके संगठन के 30 से ज्यादा लोग मारे गए हैं। उसके मुताबिक ये हमले पेशावर, कराची, रावलपिंडी, रावलकोट और मुजफ्फराबाद में अज्ञात हमलावरों ने किए। उसने आरोप लगाया कि ये हमलावर भारतीय

एजेंट्स थे। इससे जुड़ा एक वीडियो सामने आया है। इसमें हनीफ कहता है, हमारे लोगों को भारतीय एजेंसियों ने मरवाया।

पाकिस्तान पहले भी भारत पर ऐसे आरोप लगा चुका

पाकिस्तान पहले भी देश में आतंकियों की हत्याओं के लिए भारत पर आरोप लगाता रहा है। जनवरी 2024 में तत्कालीन विदेश सचिव मुहम्मद साइरस सज्जाद काजी ने दावा किया था कि भारतीय एजेंसियां पाकिस्तान में सीमा पार टारगेट किलिंग में शामिल हैं। भारत ने इन आरोपों को खारिज कर दिया था। इसके बाद अप्रैल 2024 में ब्रिटिश अखबार द गार्डियन की रिपोर्ट ने नया दावा किया था।

राम मंदिर 'चढ़ावा चोरी' को लेकर संसद में संग्राम

● विपक्ष ने किया भारी हंगामा, खड़गे बोले-ईडी कहां है ● किरन रिजिजू ने कहा-विपक्ष घड़ियाली आंसू बहा रहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र के 12वें दिन राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले को लेकर दोनों सदनों में जमकर हंगामा हुआ। मंगलवार को लोकसभा की कार्यवाही सिर्फ 19 मिनट चल पाई। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन ने इस दौरान टैक्स संशोधन से जुड़े बिल पेश किए। इसके बाद सदन बुधवार तक के लिए स्थगित हो गई। राज्यसभा की कार्यवाही दिन में दो बार स्थगित हुई। 11 बजे कार्यवाही शुरू होने के आधे घंटे के भीतर स्थगित भी हो गई। दोपहर 12 बजे कार्यवाही दोबारा शुरू हुई, लेकिन 20 मिनट ही चल पाई। दोपहर 2 बजे कार्यवाही फिर शुरू हुई। इससे पहले राज्यसभा में नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू के बीच बहस हुई। खड़गे ने कहा- राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का गठन केंद्र सरकार ने किया था। ट्रस्ट को 70 एकड़ से ज्यादा जमीन सौंपी। पीएम खुद राम मंदिर से जुड़े हर आयोजन में शामिल हुए। अब ईडी, सीबीआई और अन्य केंद्रीय जांच एजेंसियां कहां हैं।

सरकार को सदन में इसका जवाब देना चाहिए। इस पर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा- कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने राम मंदिर बनने पर काली पट्टी बांधकर विरोध किया था। आज वही लोग घड़ियाली आंसू बहाकर देश को गुमराह नहीं कर सकते। पहले भगवान राम का अपमान करने के लिए देश से माफी मांगिए, उसके बाद सरकार से जवाब मांगिए।

वित्त मंत्री सीतारमन ने शोर-शराबे के बीच बिल पेश किया

दोपहर 2 बजे लोकसभा की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सांसद खड़े होकर नारे लगाने शुरू कर दिए। पीठासीन दिलीप सैकिया ने इन सांसदों को नारे न लगाने और बैठ जाने के लिए कहा लेकिन वे नहीं माने। शोर शराबे के बीच वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन ने टैक्सेशन एंड अदर्स लॉ (संशोधन) बिल पेश किया। बिहार और मध्य प्रदेश विधानसभा उपचुनाव में भाजपा की हार पर कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि अब साफ है कि जनता भाजपा से ऊब चुकी है। लोग समझ रहे हैं कि देश में क्या हो रहा है। मुझे लगता है कि यह सिर्फ शुरुआत है। राज्यसभा में कांग्रेस अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट पर कैश, चढ़ावा, गहने और जमीन से जुड़े गंभीर आरोप सामने आए हैं।

मदरसे में पढ़ने वालों की सोच आतंकवादियों जैसी

● केशव प्रसाद मौर्य बोले-ये नहीं बोलते भारत माता की जय

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने मदरसा और यहां पढ़ने वालों पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि मदरसे में पढ़ने वालों की मानसिकता एक आतंकवादी जैसी होती है। वह पहले भी यह बात बोल चुके हैं। मौर्य ने यह भी दावा किया कि यूपी में बीजेपी 2027 में लगातार तीसरी बार सरकार बनाने जा रही है। मदरसे को लेकर दिए गए बयान के सपा समेत अन्य विपक्षी दलों ने मौर्य पर निशाना साधा है। विधानमंडल के मॉनसून सत्र में जाने से पहले पत्रकारों से बातचीत में केशव मौर्य ने कहा- मदरसी शिक्षा जो भी प्राप्त करता है वो भारत माता की जय नहीं बोलता। वंदे मातरम का गान नहीं करता। उसकी मानसिकता जैसी आतंकवादी की होती है वैसी बन जाती है।

● **मदरसे आतंकवादियों को पैदा करने की फैक्ट्री**- केशव प्रसाद मौर्य इससे पहले बोले थे कि मदरसा चाहे भारत का हो या पाकिस्तान का, देखा जाए तो वे अघोषित तौर पर आतंकवादियों को पैदा करने की फैक्ट्री हैं। मदरसों का मुख्य चरित्र और उनका मकसद आतंकवाद को बढ़ावा देना ही है। गौरतलब है कि योगी सरकार मदरसों में दी जाने वाली उच्च शिक्षा कामिल (स्नातक) और फाजिल (परास्नातक) की डिग्रियों पर पूरी तरह रोक लगाने जा रही है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद मदरसों में अब केवल 12वीं कक्षा तक ही पढ़ाई हो पाएगी। दरअसल, 5 नवंबर 2024 को अंजुम कादरी बनाम भारत संघ मामले में सुनवाई हुई थी।

कश्मीर में टारगेट किलिंग रोकने की है बड़ी तैयारी

● प्रवासी मजदूरों के लिए घाटी में क्लस्टर बनेंगे

श्रीनगर (एजेंसी)। कश्मीर के कुलगाम में 4 दिन पहले दो बाहरी मजदूरों की आतंकियों ने हत्या कर दी थी। इस हत्या के बाद जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने नई सुरक्षा रणनीति पर चर्चा तेज कर दी है। कश्मीर घाटी में इस वक्त करीब 4 लाख प्रवासी मजदूर रहते हैं। एलजी मनोज सिन्हा ने इनकी सुरक्षा को लेकर अहम बैठक की है। इसमें कुछ निर्देश तय हुए हैं। प्रशासन से जुड़े सूत्रों ने बताया कि इन निर्देशों में दो बातें सबसे अहम हैं। पहली- घाटी में जहां प्रवासी मजदूर बिखरे हैं, असुरक्षित जगहों पर रह रहे हैं, उन्हें एक ही जगह ठहराने के लिए क्लस्टर बनाए जाएं। बाहरी मजदूरों को अलग-अलग नहीं रहने दिया जाएगा। दूसरा- घाटी आने वाले हर नए मजदूर को पास के पुलिस स्टेशन में जानकारी देनी होगी। जहां नया मजदूर रहेगा, पुलिस उस इलाके का सिक्योरिटी वैरिफिकेशन करेगी। उसके बाद मजदूर को वहां रुकने दिया जाएगा। मध्य कश्मीर के बडगाम और दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग, कुलगाम और पुलवामा में ज्यादा ईंट भट्ठे हैं।

केजरीवाल ने पीएम आवास तक निकाला पैदल मार्च

● पुलिस ने रोका, फिरोजशाह रोड पर धरने पर बैठे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व सीएम और आम आदमी पार्टी संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को ई 20 फ्यूल के खिलाफ प्रधानमंत्री आवास तक मार्च निकला। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, जैस्मिन शाह समेत पार्टी के अन्य नेताओं को फिरोजशाह रोड पर ही रोक दिया। इसके बाद केजरीवाल सहित अन्य एएपी नेता फिरोजशाह रोड पर ही बीच सड़क पर धरने पर बैठ गए। एएपी ने करीब 100 नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ यह मार्च निकाला था। पार्टी का दावा है कि उसने देशभर से 2.30 लाख से ज्यादा लोगों की याचिकाएं जुटाई हैं, जिन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सौंपना था। मार्च के दौरान केजरीवाल ने कहा कि ई 20 के खिलाफ 2 लाख से ज्यादा लोगों ने प्रधानमंत्री को चिट्ठियां लिखी हैं, जिन्हें वे खुद प्रधानमंत्री को सौंपना चाहते हैं।

● **ई 20 रोकने के लिए नीट से बड़ा आंदोलन करना होगा**- ई 20 के विरोध में धरने के दौरान अरविंद केजरीवाल ने आरोप लगाया कि ट्रम्प के दबाव में मोदी सरकार अमेरिका से एथनॉल खरीद रही है। अमेरिका दुनिया में सबसे ज्यादा एथनॉल बनाता है और उसने भारत पर इसे खरीदने का दबाव बनाया। केजरीवाल ने कहा- अमेरिका का कचरा खरीदकर हमारी 30 लाख गाड़ियों पर थोपा जा रहा है। इसे रोकने के लिए हमें नीट आंदोलन से भी बड़ा आंदोलन करना होगा। उन्होंने लोगों से इस अभियान में शामिल होने की अपील करते हुए कहा कि ई 20 नीति के खिलाफ उनकी लड़ाई जारी रहेगी।

संक्षिप्त समाचार

वैशाली में युवक का पेड़ से लटका मिला शव, सौतेले पिता बोले- किसी लड़की से करता था बातचीत

हाजीपुर। वैशाली थाना क्षेत्र के मदरना गांव में मंगलवार को एक युवक का शव पेड़ से लटका मिला। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जमा हो गए। वैशाली थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल, हाजीपुर भेज दिया। पुलिस मामले की सभी पहलुओं से जांच कर रही है। मृतक की पहचान मदरना गांव निवासी सागर तिवारी के बेटे गुड्डू कुमार के रूप में हुई है। शव मिलने की खबर सुनते ही परिजनों में मातम छा गया। मृतक के पिता सागर तिवारी ने बताया कि गुड्डू उनका सौतेला बेटा था। सागर तिवारी मूल रूप से सोनपुर के रहने वाले हैं, लेकिन प्रेम विवाह के बाद वे अपनी पत्नी के गांव मदरना में आकर बस गए थे। वे राजमिस्त्री का काम करके परिवार का भरण-पोषण करते हैं। सागर तिवारी के अनुसार, गुड्डू किसी युवती से बातचीत करता था। उन्होंने उसे कई बार समझाया था कि यदि विवाह करना है तो अपनी जाति में करे, क्योंकि दूसरी जाति में संबंध रखने से अनहोनी की आशंका बनी रहती है। मंगलवार को गुड्डू घर से यह कहकर निकला कि वह जा रहा है। कुछ देर बाद ग्रामीणों ने सूचना दी कि गांव के पास एक पेड़ से उसका शव लटका हुआ है। इस घटना के बाद परिवार और गांव में शोक का माहौल है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रथम दृष्टया यह मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। हालांकि, पुलिस का कहना है कि मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और विस्तृत जांच के बाद ही हो पाएगा।

पुलिस ने दो नाबालिग मोबाइल चोर पकड़े, कोनहारा घाट पर सक्रिय गिरोह के खिलाफ कार्रवाई

हाजीपुर। वैशाली पुलिस ने कोनहारा घाट क्षेत्र में मोबाइल चोरी करने वाले एक गिरोह के खिलाफ कार्रवाई की है। इस दौरान पुलिस ने दो नाबालिगों को मोबाइल चोरी करते हुए रंगे हाथों पकड़ा। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक वैशाली के निर्देश पर गठित स्पेशल मोबाइल गश्ती दल "गरुणा टीम" और अभया ब्रिगेड (पुलिस दीदी) की संयुक्त टीम ने की। पुलिस के मुताबिक, कोनहारा घाट क्षेत्र से लगातार मोबाइल चोरी की शिकायतें मिल रही थीं। इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने विशेष निगरानी शुरू की थी। संयुक्त टीम ने संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखते हुए यह कार्रवाई की और दोनों नाबालिगों को मौके से ही पकड़ लिया। उनसे पूछताछ की जा रही है। प्रारंभिक पूछताछ में पुलिस को गिरोह से जुड़ी कई अहम जानकारियां मिली हैं। इन सूचनाओं के आधार पर गिरोह के अन्य सदस्यों की पहचान की जा रही है। उनकी गिरफ्तारी के लिए वैशाली पुलिस ने एक विशेष अभियान शुरू किया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पूरे गिरोह का जल्द भंडाफोड़ किया जाएगा और सभी आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वैशाली पुलिस ने आम जनता से भी अपील की है। लोगों से कहा गया है कि वे भीड़भाड़ वाले स्थानों, धार्मिक स्थलों और पर्यटन क्षेत्रों में अपने मोबाइल और अन्य कीमती सामानों की सुरक्षा को लेकर सतर्क रहें। किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की जानकारी तुरंत नजदीकी थाने या पुलिस कंट्रोल रूम को देने की सलाह दी गई है, ताकि समय पर कार्रवाई हो सके। पुलिस ने यह भी बताया कि जिले में अपराध नियंत्रण और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ऐसे विशेष अभियान आगे भी जारी रहेंगे। मोबाइल चोरी, पॉकेटमारी और अन्य संगठित अपराधों पर प्रभावी ढंग से अंकुश लगाने के लिए नियमित गश्त और निगरानी बढ़ा दी गई है।

मुजफ्फरपुर में चेहल्लुम को लेकर प्रशासन अलर्ट, संवेदनशील इलाकों में फ्लैग मार्च

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर जिला प्रशासन और पुलिस चेहल्लुम पर्व को शांतिपूर्ण-सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए पूरी तरह अलर्ट मोड में है। मंगलवार(4 अगस्त 2026) को जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में पुलिस, दंडाधिकारी और प्रशासनिक अधिकारियों ने संयुक्त रूप से फ्लैग मार्च निकालकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। संवेदनशील इलाकों में विशेष निगरानी रखी जा रही है। जबकि ड्रोन कैमरों और सोशल मीडिया के माध्यम से भी लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। अहियापुर, ब्रह्मपुरा, सदर समेत कई थाना क्षेत्रों में पुलिस बल ने जुलूस मार्गों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने चेहल्लुम जुलूस के लिए निर्धारित रूट का सत्यापन करते हुए संवेदनशील स्थलों को चिन्हित किया। वहां सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। प्रशासन का कहना है कि किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त संख्या में पुलिस बल और दंडाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। एसडीपीओ टाउन-2 विनीता सिन्हा ने बताया कि चेहल्लुम को लेकर सभी थाना क्षेत्रों में फ्लैग मार्च और एरिया डोमिनेशन अभियान चलाया जा रहा है। जुलूस के सभी मार्गों का भौतिक सत्यापन किया गया है और संवेदनशील स्थानों को चिन्हित कर वहां विशेष निगरानी रखी जा रही है। पूरे आयोजन की मॉनिटरिंग ड्रोन कैमरों के माध्यम से भी की जा रही है। पुलिस पहले से ही असामाजिक तत्वों के खिलाफ निरोधात्मक कार्रवाई कर रही है। थाना स्तर पर गुंडा परेड और चौकीदार परेड आयोजित कर स्थिति की समीक्षा की गई है। इसके अलावा सोशल मीडिया पर विशेष निगरानी रखी जा रही है, ताकि किसी भी प्रकार की अफवाह या भ्रामक सूचना फैलने से पहले उस पर कार्रवाई की जा सके। एसडीपीओ ने स्पष्ट कहा कि यदि कोई व्यक्ति सोशल मीडिया या किसी अन्य माध्यम से भ्रामक खबर फैलाकर माहौल बिगाड़ने की कोशिश करेगा तो उसके खिलाफ विधि सम्मत सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आम लोगों से भी अपील करते हुए कहा कि किसी भी अपुष्ट सूचना पर विश्वास न करें। अगर कोई संदिग्ध गतिविधि या अफवाह की जानकारी मिले तो तत्काल पुलिस को सूचित करें। जिले के सभी संवेदनशील इलाकों में पुलिस बल के साथ-साथ पैरामिलिट्री फोर्स की भी तैनाती की गई है। पुलिस लगातार गश्त कर रही है और हर गतिविधि पर पैनी नजर रखी जा रही है। प्रशासन का उद्देश्य चेहल्लुम पर्व को पूरी तरह शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराना है। पुलिस प्रशासन ने जिलेवासियों से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि सभी लोग आपसी भाईचारे और शांति बनाए रखें। किसी भी अफवाह से बचें। प्रशासन ने भरोसा दिलाया है कि सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं और किसी भी तरह की गड़बड़ी फैलाने वालों के खिलाफ तत्काल और कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

मुजफ्फरपुर- शादी का झांसा देकर युवती से रेप

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर जिले के सकरा थाना क्षेत्र से एक युवती के साथ रेप का मामला सामने आया है। आरोप है कि बॉयफ्रेंड ने शादी का भरोसा देकर घर से अपने साथ ले गया और तीन दिनों तक एक कमरे में बंधक बनाकर उसके साथ रेप किया। इसके बाद आरोपी युवती को उसके घर के पास छोड़कर फरार हो गया। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दिए आवेदन में पीड़िता ने बताया कि आरोपी ने शादी करने का वादा कर उसे अपने साथ चलने के लिए तैयार किया। रास्ते में एक स्थान पर रुकने के बाद वह उसे अपने ठिकाने पर ले गया, जहां एक कमरे में तीन दिनों तक बंद रखा। इस दौरान उसके साथ शारीरिक संबंध बनाया। पीड़िता का आरोप है कि आरोपी ने उसे बाहर निकलने नहीं दिया और लगातार शादी का भरोसा देकर बहलाता रहा। तीन दिन बाद आरोपी उसे घर के पास छोड़ गया। उसने कहा कि वह कुछ देर में वापस आएगा, लेकिन इसके बाद वह फरार हो गया। घर पहुंचने पर युवती ने पूरी घटना अपने परिजनों को बताई, जिसके बाद परिवार उसे लेकर सकरा थाना पहुंचा और आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। पीड़िता के परिजनों का आरोप है कि आरोपी ने शादी का झूठा झांसा देकर उनकी बेटी का शारीरिक और मानसिक शोषण किया है। उन्होंने आरोपी की तत्काल गिरफ्तारी और उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है। वहीं पीड़िता ने भी पुलिस से न्याय दिलाने की गुहार लगाई है। मामले में सकरा थानाध्यक्ष शिवेंद्र नारायण सिंह ने बताया कि युवती के परिजनों लिखित शिकायत दी गई है, जिसमें आरोपी पर गलत काम करने का आरोप लगाया गया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली है। पीड़िता का मेडिकल कराया जाएगा और सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। आरोपी फिलहाल फरार है। उसकी गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी की जा रही है।

पटना में छात्रों का प्रदर्शन- वाटर कैनन पर डांस, बैरिकेडिंग तोड़ी

सड़कों पर लेटे, उठाकर ले गई पुलिस, सीएम हाउस घेरने निकले थे

एजेंसी, पटना

पटना में मंगलवार, 4 जुलाई को पेपर लीक और रोजगार की मांग को लेकर मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने निकले छात्रों पर वाटर कैनन चला। इनकम टैक्स गोलंबर पर पुलिस और स्टूडेंट्स के बीच हल्की झड़प हुई। यहां पहुंचते ही छात्रों ने बैरिकेडिंग तोड़ दी और आगे बढ़ने लगे। पुलिस ने यहां छात्रों पर वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। स्टूडेंट्स वाटर कैनन पर डांस करने लगे। कुछ छात्र सड़क पर बैठ गए। पुलिस के अधिकारियों ने उन्हें उठाकर वहां से हटाया।

प्रदर्शन के दौरान NSUI के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ भी सड़क पर लेट गए। सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम छात्रों के साथ बैरिकेडिंग पर चढ़कर सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते दिखाई दिए। इससे पहले पुलिस ने सभी को जेपी गोलबंर पर बैरिकेडिंग लगाकर रोका था। छात्र बैरिकेडिंग पर चढ़कर नारेबाजी करने लगे। बैरिकेडिंग तोड़ने की कोशिश की गई पुलिस ने सभी छात्रों को समझाया, लेकिन वे पीछे नहीं हटे।

इस प्रदर्शन में पूर्णिया सांसद पप्पू यादव भी मौजूद थे। उन्होंने कहा कि छात्रों पर गोली चली क्या हुआ। कुछ नहीं किया गया। PM मोदी और अमित शाह का इस्तीफा होने तक लड़ाई जारी रहेगी। पुलिस ने NSUI के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम और भाग्य भारती नाम की छात्रा को डिटेन किया है। पुलिस ने फिलहाल छात्रों को इनकम टैक्स चौराहे से हटा दिया है।

छात्र बोले- बेहतर भविष्य के लिए गोली खाने को तैयार हैं: प्रदर्शन में शामिल छात्र ने कहा कि मीडिया हमारी मांग नहीं उठाती है। छात्र जो सड़क पर खड़ा है, धूप में मर रहा है। न हम चेहरे से आतंकवादी है, न हरकतों से, न ही पेशे से। लेकिन फिर भी हमारी बात नहीं सुनी जा रही है। जबकि अभी बांकीपुर उपचुनाव जीतने वाले प्रशांत किशोर ने सरकार पर कई आरोप लगाए हैं। हमारी कहां सुनवाई होगी बता दीजिए भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (NSUI) के बैनर तले छात्र सड़क पर उतरे। आंदोलन को युवा कांग्रेस, एआईएसएफ, छात्र राजद, एसएफआई, डीवाईएफआई, द ग्रेट भीम आर्मी, सोशल जस्टिस आर्मी, एआईडीएसओ,द सोशलिस्ट, एआईडीवाईओ का भी समर्थन था।

बीते दिनों दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शन की आंच बिहार में भी देखने को मिली थी। पेपर लीक को लेकर पूरे बिहार में छात्रों ने प्रदर्शन किया था। इस दौरान कई छात्रों को डिटेन करके जेल भेजा गया, पुलिस ने गोलियां भी चलाई थीं, कई प्रदर्शनकारी घायल भी हुए थे। इस पूरी घटना को लेकर कांग्रेस ने फैक्ट फाइनडिंग पैनल बनाई है। कांग्रेस ने रिपोर्ट कार्ड तैयार करके आलाकमान को भेज दिया है। यह पैनल 6 जिले- जहानाबाद, भागलपुर, पूर्णिया, पटना, सीवान और दरभंगा के लिए बनाया गया है।

अररिया में बाढ़ जैसे हालात, रक्सौल में सड़क बही, दरभंगा-औरंगाबाद में बारिश

एजेंसी, पटना

बिहार में मानसून एक्टिव है। मौसम विभाग ने आज पूरे प्रदेश में बारिश का अलर्ट जारी किया है। दरभंगा-औरंगाबाद में बारिश हुई है। राजधानी पटना में सुबह से बादल छाए थे, हालांकि दिन चढ़ने के साथ ही हल्की धूप निकल आई। इधर, नेपाल के तराई वाले इलाके में हो रही बारिश से अररिया में बाढ़ जैसे हालात हैं। पलासी प्रखंड के वार्ड-03 में घरों में बारिश का पानी भर गया है। गांव आने-जाने का एक मात्र साधन चचरी पुल है, वो भी डूब गया है।

वहीं, सासाराम में सेल्फी लेने के चक्कर में तीन दोस्त तेज बहाव में फंस गए। गनीमत रही कि स्थानीय लोगों ने रस्सी से खींचकर उन्हें बचा लिया। सोमवार को प्रदेश में आकाशीय बिजली ने भारी तबाही मचाई। अलग-अलग जिलों में बिजली गिरने से 7 लोगों की जान चली गई। करीब एक दर्जन लोग झुलस गए। मृतकों में दो छात्र और एक मां-बेटे भी शामिल हैं। रक्सौल में भेलाही–घोड़ासहन नहर सड़क पानी में बह गई, जिससे पूर्वी और पश्चिमी चंपारण आने-जाने में परेशानी बढ़ गई है। जयमंगलापुर के पास नहर का पानी खेतों में घुस गया है, जिससे 200 बीघा से अधिक जमीन में फैली फसलें डूब गई।

वहीं नेपाल स्थित ऐतिहासिक वाल्मीकि आश्रम से दर्शन-पूजन कर लौट रहे 11 श्रद्धालु सोमवार को उफनती तमसा नदी में फंस गए। पहाड़ों पर लगातार बारिश के कारण नदी का जलस्तर अचानक बढ़ गया, जिससे महिलाएं और बच्चे तेज बहाव में बहने लगे। जिन्हें मानव श्रृंखला बनाकर बचाया गया। श्रद्धालुओं का दल उत्तर प्रदेश के महाराजगंज जिले से वाल्मीकि आश्रम गया था। लौटते समय नदी पार करते हुए अचानक तेज धारा आ गई। स्थिति गंभीर होते देख आश्रम से लौट रहे युवाओं ने मानव श्रृंखला बनाकर बचाव अभियान शुरू किया और सभी 11 लोगों को सुरक्षित किनारे तक पहुंचाया।

ईओ हत्याकांड मामले की जांच सीबीआई से कराने की मांग

एजेंसी, पटना

डेहरी-डालमियानगर नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी (ईओ) विमल कुमार की हत्या हुई है। सांसद पप्पू यादव मंगलवार सुबह दानापुर के गोला रोड टी-प्वाइंट स्थित गंगा कुटीर अपार्टमेंट पहुंचे। उन्होंने मृतक के परिजनों से मुलाकात कर अपनी संवेदना व्यक्त की। ईओ की पत्नी को न्याय दिलाने का भरोसा दिया। सांसद पप्पू यादव ने इस हत्याकांड की सीबीआई जांच की मांग की। उन्होंने मृतक के आश्रितों के लिए 2 करोड़ रुपए के मुआवजे और मृतक की पत्नी को क्लर्क पद पर सरकारी नौकरी देने की भी मांग की।

ड्राइवर का नारकोटिक टेस्ट करवाने की मांग: पप्पू यादव ने गिरफ्तार ड्राइवर का नारकोटिक टेस्ट करवाने और घटनास्थल पर कितने मोबाइल सक्रिय थे, इसकी जांच करने की मांग की। सांसद ने प्रशासन की ओर से ड्राइवर को हत्यारा बताने के बयान पर सवाल उठाते हुए कहा कि एक व्यक्ति बिना गोली और पिस्टल के इतनी क्रूरता से हत्या कैसे कर सकता है। उन्होंने इसे सुनियोजित हत्या बताया।

सदन में मुद्दे को उठाएंगे- सांसद: सांसद ने बताया कि मृतक के परिजनों का कहना है कि वे अब बिहार में नहीं रहना चाहते। पप्पू यादव ने बिहार को माफिया, अपराधी और लुटेरों का गढ़ बताते हुए कहा कि यहां आम आदमी के लिए कोई जगह नहीं है। जब स्थानीय विधायक ने ईओ के मुद्दे पर आवाज उठाई थी, तब सरकार ने कोई कार्रवाई क्यों नहीं की। मृतक की पत्नी ने स्पष्ट कहा है कि उनके पति की हत्या किसी एक व्यक्ति ने नहीं की है। पप्पू यादव ने आश्वासन दिया कि वे इस मुद्दे को सदन में उठाएंगे।

- दानापुर में पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने परिवार से की मुलाकात, कहा- 2 करोड़ मुआवजा मिले

बांकीपुर उपचुनाव पर अनंत सिंह ने कहा- जनता मालिक है, जिसको वोट दिया वो जीता

एजेंसी, पटना

बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के नतीजों पर जदयू विधायक अनंत सिंह ने कहा कि अगर नीतीश कुमार मुख्यमंत्री के पद पर बने रहते तो चुनाव परिणाम अलग हो सकते थे। जनता के बीच यह संदेश गया कि नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद से हटा दिया गया, जिसका असर चुनावी नतीजों पर पड़ा। अनंत सिंह ने कहा, "अगर नीतीश कुमार मुख्यमंत्री रहते तो बिल्कुल ऐसा नहीं होता। जनता में यह मैसेज गया कि उनके चेहरे पर वोट मिला, लेकिन बाद में उन्हें हटा दिया गया। जनता इसे गलत मान रही है और इससे नाराज भी है। अनंत सिंह ने कहा कि उन्हें पूरी जानकारी है कि नीतीश कुमार को हटाया नहीं गया, बल्कि उन्होंने खुद मुख्यमंत्री पद छोड़ा था, लेकिन जनता के बीच जो धारणा बनी, उसका असर चुनाव में देखने को मिला।

नीतीश कुमार जहां रहेंगे, वहां खड़े रहेंगे: बांकीपुर उपचुनाव के नतीजों पर प्रतिक्रिया देते हुए अनंत सिंह ने कहा कि लोकतंत्र में जनता ही सबसे बड़ी ताकत होती है। उन्होंने कहा कि जिन उम्मीदवारों को जनता ने वोट दिया, वे जीत गए और जिन्हें जनता ने वोट नहीं दिया, वे हार गए। सीधी बात है कि जनता ही मालिक होती है और वही अंतिम फैसला करती है। दिल्ली में जदयू कार्यालय का निरीक्षण करने और पार्टी गतिविधियों में नीतीश कुमार की बढ़ती सक्रियता को लेकर पूछे गए

सवाल पर अनंत सिंह ने कहा कि इसमें किसी तरह की कोई दिक्कत नहीं है। नीतीश कुमार जहां रहेंगे, जहां जाएंगे और जहां भी चुनाव लड़ेंगे, पार्टी के सभी नेता और कार्यकर्ता पूरी मजबूती के साथ उनके साथ खड़े रहेंगे।

कहीं कमियां रही होंगी इसलिए हारें- श्याम रजक: वहीं, जदयू विधायक श्याम रजक ने कहा कि बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में समन्वय और प्रबंधन की कमी हुई। जहां तक चूक की बात है, पराजय की बात है। गंभीर रूप से समीक्षा करने की जरूरत है। स्थानीय कार्यकर्ताओं में क्या उदासीनता थी? अन्य जो लोग आए उनके साथ समन्वय का अभाव रहा। कहीं ना कहीं कुछ कमियां रही होगी जिसके कारण चुनाव हम हार गए। प्रशांत किशोर को बधाई देता हूं।

'छात्रों को टारगेट कर जान लेने की कोशिश हुई'

एजेंसी, पटना

बिहार में छात्र आंदोलनों के दौरान हुई पुलिस कार्रवाई की जांच को लेकर कांग्रेस ने फैक्ट-फाइंडिंग टीम गठित की थी। इसकी प्रारंभिक रिपोर्ट पेश करते हुए NSUI के राष्ट्रीय प्रभारी कन्हैया कुमार ने कहा कि कांग्रेस ने सड़क पर उतरकर पुलिस द्वारा छात्रों पर जो बर्बरता की गई है, उसकी रिपोर्ट कार्ड तैयार की है। लोकतंत्र के लिए बेहद चिंताजनक तस्वीर है। लाठी चलाना बिहार पुलिस के लिए आम बात है। सिवान में विद्यार्थियों को गोली मारी गई। ये पैर में नहीं बल्कि कंधे में और गले के पास मारी गई, यानी कि टारगेट करके जान लेने की कोशिश की गई। इस पूरे मामले में निष्पक्ष जांच और फैक्ट फाइंडिंग के लिए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने अलग-अलग जिलों के लिए कमेटी बनाई थी।

बिहार पुलिस के आंदोलन को हैंडल करने के एप्रोच में बदलाव आया: इस कमेटी के

- कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने पुलिस पर लगाया आरोप, कहा- लाठी चलाना इनके लिए आम बात

इनिशियल फाइंडिंग में कई बातें सामने आई है। बिहार पुलिस के आंदोलन को हैंडल करने के एप्रोच में परिवर्तन आया है। ये बिहार के लिए बहुत चिंता की बात है। पुलिस जिस तरीके से आंदोलन को नियंत्रित करने का तरीका अपना रही है उसमें बड़ा बदलाव आया है। इस देश में लोकतंत्र को लाठी तंत्र और गोली तंत्र बनाने की एक आपाधापी दिखाई देती है। हमारे मुख्यमंत्री का नाम सम्राट है तो वह महसूस भी करने लगे हैं कि वो सम्राट है। मगर बिहार में राजतंत्र है और वह चुने हुए मुख्यमंत्री नहीं है। अब एक फैशन हो गया है। बुलडोजर का राजा बनने की होड़ हो गई है। पुलिस को भी एनकाउंटर स्पेशलिस्ट बनने का सपना हो गया है। मगर वे भूल रहे हैं कि ये बिहार है जो लोकतंत्र की जननी है।

पुलिस अपना चेहरा चमकाना चाहती है: उन्होंने कहा कि पुलिस की भाषा, अरेस्टिंग, डिटेंशन, फायरिंग करती है और लॉ एंड ऑर्डर को मेंटेन करना उद्देश्य नहीं है। पुलिस अपना चेहरा चमकाना चाहती है और दूसरी ओर सम्राट चौधरी हमेशा अमित शाह को वफादारी का मैसेज देना चाहते हैं। आखिर छात्रों पर लाठी चलाने का आर्डर पुलिस को किसने दिया यह एक सवाल है। दूसरा किसके आदेश से आंसू गैस के गोले छोड़े गए। प्रदर्शन को रोकने के लिए पुलिस द्वारा एके-47 चलाया गया, जो पब्लिक के बीच लेकर घूमना ही अपने आप में अनुचित है। जिस छात्र को पांव में गोली लगी है वह अग्निवीर की तैयारी कर रहा था। एक लड़का अपने निजी काम के लिए केक लेने आया था उसके गर्दन के पास से गोली छूकर निकली।

गिरफ्तारियों में रूल्स एंड रेगुलेशन को फॉलो नहीं किया गया: इसके अलावा जो गिरफ्तारियां की गई है उसमें किसी भी तरह के रूल्स एंड रेगुलेशन को फॉलो नहीं किया गया है। पुलिस का कहना है कि कैमरे से देखकर उन्होंने छात्रों को गिरफ्तार किया है, मगर उन छात्रों का कोई भी रिकॉर्ड नहीं है। कानून के मुताबिक सूर्यास्त के बाद महिलाओं को गिरफ्तार नहीं किया जाता है लेकिन 48 घंटे के बाद महिला छात्रों को मजिस्ट्रेट के सामने रात में पेश किया गया था। किसी भी तरह के नियम कानून को नहीं फॉलो किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य के विभिन्न जिलों में छात्रों के शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक आंदोलनों को कुचलने के लिए पुलिस ने कानून और पुलिस मैनुअल की खुलेआम अनदेखी की।

पटना- ऑटो में बैठाकर चेन झपटकर भागे बदमाश

एजेंसी, पटना

पटना के जक्कनपुर इलाके के चिरैयाटांड़ पुल के पास सेम लोकेशन पर TOP से सटे दो दिनों के भीतर दो चेन स्नेचिंग की वारदात हुई है। लेकिन अभी तक स्नैचर्स का सुराग नहीं मिला है। दोनों घटना को ऑटो लिफ्टर ने अंजाम दिया है। पीड़ित करण चौधरी(45 वर्ष) ने बताया कि कोलकाता से राजेंद्र नगर हावड़ा ट्रेन पकड़कर पटना आया। राजेंद्र नगर रेलवे टर्मिनल स्टेशन से ऑटो पुनाईचक के लिया। मेरे रिश्तेदार के यहां बरखी कार्यक्रम था। इसी में शामिल होने आया था।

ड्राइवर कहने लगा- ऑटो में आग लग जाएगी: राजेंद्र नगर टर्मिनल से ऑटो में चालक समेत 3 लोग आगे और पीछे की सीट पर 3 लोग बैठे। ऑटो खुलने के बाद रास्ते में एक जगह रोककर कहने लगा कि हवा कम है। इसके बाद आगे की सीट से एक शख्स को पीछे भेजा।

अब पीछे की सीट पर हमलोग 4 हो गए। इसी बीच करबिगहिया मस्जिद के सामने पुल के ऊपर ड्राइवर हड़बड़ाकर कहने लगा ऑटो में आग लग जाएगी। जल्दी नीचे उतरिए। जैसे मैं नीचे उतरा, इसके बाद ऑटो चालक और उसमें सवार 5 अज्ञात व्यक्तियों ने गले से चने झपट ली और पटना जंक्शन की ओर भाग गए। मेरी चेन 12 ग्राम की थी। जिसकी कीमत 2 लाख रुपए थी। करण चौधरी ने बताया कि वह साहेबगंज के रहने वाले हैं। कोलकाता के एक गैस मैन्युफैक्चरिंग कम्पनी में एकाउंटेंट हैं।

बीएसएफ इंस्पेक्टर के बंद घर में हुई चोरी

एजेंसी, पटना

पटना के बख्तियारपुर में बीएसएफ इंस्पेक्टर संजय सिंह के बंद घर में सोमवार रात चोरी हुई है। चोर घर से 20 हजार रुपए नगद और सोने-चांदी के जेवरात चुरा ले गए हैं। घर की देखरेख करने वाली रीता देवी ने कहा कि मैं सुबह घर पहुंची तो मेन गेट का ताला टूटा हुआ था। अंदर जाने पर देखा कमरे के दरवाजे का ताला भी टूटा है। सारा सामान बिखरा था। मैं हर दिन मंदिर में पूजा के बाद घर की सफाई के लिए आती हूं। घटना रानीसराय महमदपुर वार्ड नंबर 27 की है।

सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस: रीता देवी के अनुसार, घर के मालिक संजय सिंह का परिवार यहां नहीं रहता है। चोरी हुए गहनों की कुल कीमत मकान मालिक के आने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगी। थाना अध्यक्ष देवानंद शर्मा ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। आश्वासन दिया कि जल्द ही चोरी की घटना को अंजाम देने वाले चोरों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है ताकि चोरों का सुराग मिल सके।

- 20 हजार नगद और सोने-चांदी के जेवरात ले गए चोर, सफाई वाली ने देखा बिखरा सामान

ईओ हत्याकांड पर बोले तेजस्वी, विधायक का एनकाउंटर कराएंगे क्या सीएम

एजेंसी, पटना

डेहरी नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी (ईओ) विमल कुमार की हत्या हुई थी। इस मामले को लेकर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि सम्राट चौधरी के मुख्यमंत्री बनने के बाद दूसरे सरकारी अधिकारी की हत्या हुई है। लगातार बिहार में अपराध बढ़ रहा है। दोषियों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए। NDA लोजपा के विधायक सोनू सिंह इसके मुख्य साजिशकर्ता है। IG ने ड्राइवर पर सारा चीज डाल दिया, लेकिन उसके साथ कई लोग इस मामले में दोषी है। मुख्यमंत्री के पास ज्ञान भवन में जा कर ड्रामा देखने का

समय है। पीड़ित परिवार से मिलने का समय नहीं है। सीएम पता नहीं किसको पाताल से निकलने की बात करते है। मुख्यमंत्री इस विधायक का एनकाउंटर कराएंगे।

तेजस्वी ने काम के दबाव में अधिकारी की हत्या होने की बात पर भी सवाल उठाए। तेजस्वी ने कहा कि मुख्यमंत्री के ड्राइवर के छुट्टी नहीं मिल रही है। उनके पास काम ज्यादा हो तो वो मुख्यमंत्री की हत्या कर देगा। यह कोई लॉजिक नहीं है। ऐसे तो मेरी भी हत्या ही सकती है। परिवार के लोग विधायक सोनू सिंह पर सवाल उठा रहे है। 50 लाख की डिमांड की जा रही थी। पुलिस इस एंगल से जांच क्यों नहीं कर रही है। IG विकास वैभव का संबंध सोनू सिंह के साथ अच्छा है। उन्होंने एक मंच बना रखा है। कई कार्यक्रम में उनके साथ सोनू सिंह रहते थे। IG विकास वैभव डिप्टी सीएम के रिश्तेदार भी है।

ईओ के परिवार को सुरक्षा देना चाहिए। उनकी पत्नी को सरकारी नौकरी देनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने आज तक भरत तिवारी के मामले पर कुछ नहीं बोले। कई लोगों को बचाया गया। ईओ के मामले में भी आरोपियों को बचाया जा रहा है। रोहतास जिले के डेहरी-डालमिया नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी विमल कुमार की शनिवार रात औरंगाबाद जिले के बारुण थाना क्षेत्र स्थित घनौती पुल के पास हत्या कर दी गई। शनिवार शाम वह डेहरी में आयोजित 'एक शाम शहीदों के नाम' कार्यक्रम में शामिल होने के बाद अपनी कार से पटना के लिए निकले थे। रास्ते में वह गंभीर रूप से घायल मिले, जिसके बाद उन्हें रोहतास के जमुहार स्थित नारायण मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

संक्षिप्त समाचार

जन वितरण प्रणाली विक्रेताओं के 92 पदों के लिए 813 आवेदन, औपबंधिक वरीयता सूची जारी

बीएनएम@ मोतिहारी। पूर्वी चंपारण जिले में जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) विक्रेताओं के रिक्त पदों पर चयन प्रक्रिया तेज हो गई है। जिला पूर्ति कार्यालय ने जानकारी दी है कि जिले के चार अनुमंडलों में कुल 92 रिक्त पदों के विरुद्ध 813 आवेदन प्राप्त हुए हैं। जारी आंकड़ों के अनुसार, सदर मोतिहारी अनुमंडल के 39 रिक्त पदों के लिए 219 आवेदन, पकड़ीदयाल के 10 पदों के लिए 181 आवेदन, अरेराज के 25 पदों के लिए 214 आवेदन तथा सिकरहना के 18 पदों के लिए 199 आवेदन प्राप्त हुए हैं। जिला पूर्ति कार्यालय के अनुसार, 3 अगस्त 2026 को जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित जिला चयन समिति की बैठक में लिए गए निर्णय के आलोक में सदर मोतिहारी, पकड़ीदयाल, अरेराज तथा सिकरहना (ढ़ाका) अनुमंडलों से प्राप्त आवेदनों की औपबंधिक वरीयता सूची जिला प्रशासन के आधिकारिक वेब पोर्टल पर प्रकाशित कर दी गई है। इसके साथ ही पूर्व में प्राप्त 232 दावा-आपत्तियों (पकड़ीदयाल-34, अरेराज-90, सिकरहना-35 एवं सदर मोतिहारी-73) को भी जिला प्रशासन की वेबसाइट पर अपलोड किया जा रहा है। जिला पूर्ति कार्यालय ने बताया कि यदि किसी अभ्यर्थी अथवा संबंधित व्यक्ति को कोई दावा या आपत्ति दर्ज करानी हो तो वह 21 अगस्त 2026 तक निबंधित डाक के माध्यम से जिला आपूर्ति पदाधिकारी, पूर्वी चंपारण, मोतिहारी के नाम अपना दावा-आपत्ति भेज सकता है।

घोड़ासहन में जल्द शुरू होंगे दो ट्रैफिक चेक पोस्ट, एसपी स्वर्ण प्रभात ने तीन थानों का किया औचक निरीक्षण

बीएनएम@ घोड़ासहन। पूर्वी चंपारण के पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने मंगलवार को कुंडवा चैनपुर, झरौखर एवं घोड़ासहन थाना का औचक निरीक्षण कर पुलिस व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मेस, मालखाना, लंबित कांडों के अभिलेख, थाना परिसर की साफ-सफाई तथा अन्य प्रशासनिक व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के बाद एसपी ने घोड़ासहन शहर की यातायात व्यवस्था को लेकर महत्वपूर्ण घोषणा की। उन्होंने बताया कि आगामी 15 दिनों के भीतर अंबेडकर चौक और भगत सिंह चौक पर दो ट्रैफिक चेक पोस्ट का संचालन शुरू कर दिया जाएगा। इसके लिए दोनों स्थानों का निरीक्षण कर आवश्यक तैयारियां शीघ्र पूरी करने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया गया है। एसपी स्वर्ण प्रभात ने कहा कि ट्रैफिक चेक पोस्ट शुरू होने से शहर में बढ़ती जाम की समस्या पर काफी हद तक नियंत्रण पाया जा सकेगा। इससे यातायात व्यवस्था अधिक सुव्यवस्थित होगी और आम लोगों को आवागमन में सहूलियत मिलेगी। उन्होंने पुलिस पदाधिकारियों को यातायात नियमों का सख्ती से पालन कराने, अतिक्रमण पर नजर रखने तथा आम नागरिकों के साथ बेहतर समन्वय बनाए रखने का निर्देश दिया। निरीक्षण के क्रम में पुलिस अधीक्षक ने घोड़ासहन थाना परिसर स्थित सर्किल इंस्पेक्टर कार्यालय का भी निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यालय के अभिलेखों के रखरखाव, लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन, थाना परिसर की स्वच्छता तथा पुलिसिंग को और अधिक प्रभावी बनाने पर विशेष जोर दिया। इस अवसर पर अभिषेक कुमार, धनंजय कुमार निर्दोष, अमरजीत कुमार, असलम अंसारी सहित कुंडवा चैनपुर थाना के पुलिस पदाधिकारी एवं अन्य पुलिसकर्मी उपस्थित रहे।

बोर्ड पर सड़क निर्माण पूरा, लेकिन धरातल पर अधूरा काम! महमदी में ग्रामीणों का प्रदर्शन

बीएनएम@ पताही प्रखंड के महमदी गांव में सड़क निर्माण कार्य में कथित देरी और अधूरे निर्माण को लेकर मंगलवार को ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। महमदी पंडित टोला से महमदा-महमदी मुख्य सड़क के निर्माण में विलंब का आरोप लगाते हुए ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया और जल्द से जल्द निर्माण कार्य पूरा कराने की मांग की। ग्रामीणों का कहना है कि निर्माण स्थल पर लगाए गए शिलापट्ट (बोर्ड) में स्पष्ट रूप से अंकित है कि सड़क निर्माण कार्य 28 जून 2025 से प्रारंभ होकर 27 जून 2026 को पूर्ण हो चुका है। लेकिन हकीकत यह है कि सड़क आज भी पूरी तरह तैयार नहीं हुई है और कई हिस्सों में निर्माण कार्य अधूरा पड़ा है। ऐसे में बोर्ड पर कार्य पूर्ण दर्शाए जाने से ग्रामीणों में भारी नाराजगी है। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने आरोप लगाया कि संवेदक की लापरवाही के कारण सड़क निर्माण कार्य समय पर पूरा नहीं हो सका। उनका कहना है कि बरसात के मौसम में अधूरी सड़क के कारण लोगों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से निर्माण कार्य की जांच कराने और शीघ्र सड़क को पूर्ण कराने की मांग की। जानकारी के अनुसार, उक्त सड़क निर्माण कार्य का निष्पादन हिंद एंड आरके, शंकर सरैया, तुरकौलिया द्वारा कराया जा रहा है। प्रदर्शन के दौरान शशि कुमार झा, अमित झा, वेदानन्द झा, कौशल किशोर झा, किशोरी झा, ओम प्रकाश मंडल, कमल बैठा, हमीद मियां, बेदू कापड़, खेसारी राम, हसीना खातून सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

सरकारी जमीन पर करोड़ों का खेल? एडीएम के निर्देश के बाद भी नहीं रुका निर्माण, राजस्व तंत्र की कार्यशैली पर गंभीर सवाल

बनकट हाईवे किनारे गैरमजरुआ जमीन पर कब्जे का आरोप, स्थानीय लोगों की शिकायत के बावजूद जारी निर्माण; प्रशासनिक आदेशों की अनदेखी या प्रभावशाली लोगों का दबाव?

बीएनएम@ सागर सूरज

मोतिहारीः मोतिहारी शहर से सटे बनकट क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे बिहार सरकार की गैरमजरुआ जमीन पर कथित अतिक्रमण और बड़े पैमाने पर निर्माण कार्य का मामला सामने आया है। स्थानीय लोगों ने इस संबंध में अंचलाधिकारी, पिपराकोठी को लिखित आवेदन देकर आरोप लगाया है कि सरकारी भूमि पर अवैध तरीके से पक्का निर्माण कराया जा रहा है, लेकिन शिकायतों और प्रशासनिक निर्देशों के बावजूद निर्माण कार्य बदस्तूर जारी है।

इससे पूरे राजस्व प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

उल्लेखनीय है कि 27 जुलाई 2026 को अंचलाधिकारी को दिए गए आवेदन में शिकायतकर्ता किशुनपुर, थाना पीपराकोठी निवासी ने बताया है कि मोतिहारी नगर निगम वार्ड-41, मौजा बनकट, थाना संख्या-194, खाता-187, खेसरा-909, रकबा 19 कट्ठा 14 धूर स्थित भूमि खतियान में गैरमजरुआ मजकुर के रूप में दर्ज है।

आवेदन के अनुसार, यह भूमि बिहार जमींदारी उन्मूलन अधिनियम के तहत बिहार सरकार में निहित है।

आवेदन में आरोप लगाया गया है कि लगभग एक सप्ताह से इस सरकारी भूमि पर कथित रूप से अवैध दस्तावेज एवं अवैध जमाबंदी के आधार पर पक्का निर्माण कराया जा रहा है।

आरोप है कि इन लोगों द्वारा सरकारी भूमि पर पक्का निर्माण कर अतिक्रमण किया जा रहा है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए शिकायत की प्रतिलिपि थानाध्यक्ष मुफस्सिल, अपर समाहर्ता पूर्वी चंपारण, समाहर्ता सह जिलाधिकारी पूर्वी चंपारण, भूमि एवं राजस्व सुधार विभाग के मंत्री तथा मुख्यमंत्री, बिहार सरकार को भी भेजी गई है।

स्थानीय लोगों का दावा है कि मामले की जानकारी मिलने पर अपर समाहर्ता (एडीएम) मुकेश सिन्हा ने अंचलाधिकारी सुनील कुमार को फोन कर निर्माण कार्य रुकवाने का निर्देश भी दिया था। इसके बावजूद मौके पर निर्माण कार्य जारी रहने की बात कही जा रही है।

जब इस संबंध में अंचलाधिकारी सुनील कुमार से संपर्क किया गया तो उन्होंने कहा कि अंचल कार्यालय की ओर से निर्माण कार्य रुकवा दिया गया था। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि यदि अब भी निर्माण चल रहा है तो मामले की दोबारा जांच कर आवश्यक कार्रवाई कराई जाएगी।

इस पूरे घटनाक्रम ने कई गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। यदि राजस्व प्रशासन के निर्देशों के बाद भी सरकारी भूमि पर निर्माण कार्य जारी रहता है, तो क्या स्थानीय स्तर पर प्रशासनिक आदेशों की अनदेखी हो रही है? क्या प्रभावशाली लोगों के दबाव में कार्रवाई ठंडी पड़ जाती है, या फिर आर्थिक प्रभाव के आगे सरकारी व्यवस्था कमजोर साबित हो रही है?

भूमि मामलों से जुड़े जानकारों का कहना है कि यदि समय रहते निर्माण नहीं रोका गया और बाद में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई, तो इससे लंबे कानूनी विवाद, सरकारी संसाधनों की बर्बादी और कानून-व्यवस्था की चुनौती पैदा हो सकती है।

रामगढ़वा में शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ चेहल्लुम, प्रशासनिक अधिकारियों ने संभाली कमान

बीएनएम@ रामगढ़वा

रामगढ़वा प्रखंड क्षेत्र में चेहल्लुम का पर्व मंगलवार को पूरी तरह शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण और भाईचारे के वातावरण में संपन्न हो गया। पर्व के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। रक्सौल के एसडीएम नागमणि कुमार वर्मा एवं डीएसपी मनीष आनंद ने स्वयं सुरक्षा व्यवस्था की कमान संभाली और पूरे क्षेत्र में लगातार गश्त कर हालात का जायजा लिया। अधिकारियों ने पुलिस इंस्पेक्टर सह थानाध्यक्ष संजीव मौआर, बीडीओ राकेश कुमार तथा सीओ अमित कुमार के साथ विभिन्न संवेदनशील स्थानों का निरीक्षण किया। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण एवं कानून-व्यवस्था पर लगातार नजर रखी गई। निरीक्षण के क्रम में एसडीएम नागमणि कुमार वर्मा विशेष रूप से नरीरगीर में आयोजित चेहल्लुम मेले में पहुंचे। उन्होंने मेला परिसर का बारीकी से निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा मौके पर मौजूद पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। नरीरगीर में आयोजित मेला पूरी तरह शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। मेले के मुख्य आयोजक अरशद अली मुन्ना की देखरेख में सभी धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किए गए। वहीं समाजसेवी मुन्ना आलम एवं उनकी टीम के स्वयंसेवकों ने भी मेले की व्यवस्था बनाए रखने में सक्रिय भूमिका निभाई। प्रशासन की सतर्कता, पुलिस बल की मुस्तैदी, आयोजकों के सहयोग तथा स्थानीय नागरिकों के आपसी समन्वय के कारण रामगढ़वा में चेहल्लुम का पर्व पूरी तरह सकुशल एवं शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ, जिससे क्षेत्र में अमन, शांति और भाईचारे का संदेश मजबूत हुआ।

ऊंची भाटिया तटबंध मरम्मत कार्य का एसडीएम ने किया स्थलीय निरीक्षण, जल निकासी दुरुस्त करने के दिए निर्देश

बीएनएम@ विजय कुमार

रामगढ़वा। रामगढ़वा प्रखंड के ऊंची भाटिया एवं मंगलपुर पटनी पंचायत के समीप तिलावे नदी के टूटे तटबंध पर चल रहे मरम्मत कार्य का निरीक्षण करने रक्सौल के अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीएम) नागमणि कुमार वर्मा मंगलवार को मौके पर पहुंचे। उन्होंने तटबंध की स्थिति का स्थलीय निरीक्षण कर मरम्मत कार्यों की प्रगति का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने स्थानीय ग्रामीणों से बातचीत कर उनकी समस्याएं और सुझाव सुने। उन्होंने कहा कि मरम्मत कार्य गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध तरीके से पूरा कराया जाए, ताकि भविष्य में बाढ़ जैसी स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके। एसडीएम ने तटबंध से जुड़े स्लूइस गेटों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने गेटों की नियमित साफ-सफाई कराने और जल निकासी व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के निर्देश दिए, ताकि जल प्रवाह में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो। इस संबंध में उन्होंने मौके से ही संबंधित विभागीय अभियंता से दूरभाष पर बातचीत कर आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान बाढ़ नियंत्रण प्रमंडल एवं मनरेगा के समन्वय से संचालित कार्यों की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था, एहतियाती उपायों तथा विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने पर भी चर्चा की। इस अवसर पर रामगढ़वा के अंचलाधिकारी अमित कुमार, मनरेगा के कार्यक्रम पदाधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे। वहीं सामाजिक कार्यकर्ता नवेश आलम, माधो बैठा और नवल पंडित सहित कई स्थानीय ग्रामीण भी मौके पर मौजूद रहे।

"29 दिसंबर को नियुक्ति, लेकिन 1 दिसंबर से ही भुगतान! पूर्वी चंपारण शिक्षा विभाग में हाउसकीपिंग भुगतान पर बड़े घोटाले का आरोप"

डीईओ के आदेश से 29 दिसंबर 2025 को राइडर सिक्योरिटी को कार्य आवंटित, लेकिन भुगतान 1 दिसंबर 2025 से कर दिया गया। विभागीय आदेशों ने उठाए गंभीर सवाल

बीएनएम@ सागर सूरज

मोतिहारी। पूर्वी चंपारण शिक्षा विभाग में हाउसकीपिंग व्यवस्था को लेकर एक बार फिर गंभीर वित्तीय अनियमितता के आरोप सामने आए हैं। विभाग के आधिकारिक आदेश और भुगतान संबंधी दस्तावेजों से यह सवाल उठ रहा है कि जिस कंपनी को 29 दिसंबर 2025 को अधिकृत किया गया, उसे 1 दिसंबर 2025 से ही भुगतान किस आधार पर कर दिया गया?

जिला शिक्षा पदाधिकारी राजन कुमार गिरी द्वारा 29 दिसंबर 2025 को जारी कार्यालय आदेश के माध्यम से RAIDER Security Services Pvt. Ltd. को सुगौली और पहाड़पुर प्रखंड के सरकारी विद्यालयों में हाउसकीपिंग कार्य के लिए अधिकृत किया गया। लेकिन इसी आदेश में उल्लेख है कि संबंधित वेंडर 1 दिसंबर 2025 से कार्य प्रारंभ करेंगे।

यहीं से पूरे मामले पर सवाल खड़े होने लगे हैं। आखिर 29 दिसंबर को जारी आदेश किसी निजी कंपनी को 1 दिसंबर से प्रभावी कैसे बना सकता है? यानी आदेश जारी होने से लगभग 29 दिन पहले से ही कंपनी को कार्य और भुगतान का लाभ दे दिया गया।

दस्तावेज बताते हैं कि इससे पहले हरिओम कंस्ट्रक्शन फाउंडेशन का अनुबंध रद्द कर दिया गया था। लेकिन स्थानीय स्तर पर उपलब्ध साक्ष्यों और संबंधित लोगों के दावों के अनुसार दिसंबर 2025 के दौरान विद्यालयों में हरिओम कंस्ट्रक्शन के कर्मचारी ही हाउसकीपिंग का कार्य कर रहे थे। क्योंकि रद्दीकरण के काग़ज़ तब तक अनुपलब्ध थे।

इसके बावजूद विभाग ने बाद में जारी भुगतान स्वीकृति आदेश के माध्यम से पूरे दिसंबर 2025 का भुगतान भी राइडर सिक्योरिटी के पक्ष में स्वीकृत कर दिया। ऐसे में सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि यदि कार्य किसी और ने किया, तो भुगतान नई कंपनी को किस नियम के तहत किया गया? नियमों के अनुसार किसी भी एजेंसी को भुगतान वैध कार्यादेश और वास्तविक कार्य निष्पादन के आधार पर किया जाता है। यदि पूर्व वेंडर का अनुबंध समाप्त हो चुका था, तो उस अवधि में कार्य करने वाले कर्मियों के भुगतान की अलग व्यवस्था होनी चाहिए थी। लेकिन उपलब्ध दस्तावेजों से ऐसा प्रतीत होता है कि नियुक्ति की तिथि से पहले की अवधि का भुगतान भी नई एजेंसी के नाम स्वीकृत कर दिया गया।

यह मामला केवल प्रशासनिक लापरवाही का नहीं, बल्कि सरकारी धन के उपयोग और भुगतान प्रक्रिया की पारदर्शिता पर भी गंभीर सवाल खड़े करता है।

यदि जांच में दस्तावेजों की पुष्टि होती है, तो यह वित्तीय अनियमितता का गंभीर मामला साबित हो सकता है। जिला शिक्षा पदाधिकारी राजन कुमार गिरी अवकाश पर हैं, इसलिए इस संबंध में उनका पक्ष प्राप्त नहीं हो सका। उनका पक्ष प्राप्त होते ही उसे प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा। इस मामले से संबंधित आदेश, भुगतान स्वीकृति पत्र एवं अन्य विभागीय दस्तावेज बॉर्डर न्यूज मिरर के पास सुरक्षित हैं।

एसडीआरएफ ने युवा आपदा मित्रों को सिखाए जीवनरक्षक गुर, दूसरे दिन प्राथमिक उपचार व आपदा प्रबंधन का व्यावहारिक प्रशिक्षण

बीएनएम@ मोतिहारी

नगर के मुंशी सिंह महाविद्यालय में बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय आवासीय 'युवा आपदा मित्र' प्रशिक्षण शिविर के दूसरे दिन मंगलवार को एसडीआरएफ (बिहार) के प्रशिक्षकों ने स्वयंसेवकों को आपदा प्रबंधन एवं प्राथमिक उपचार के व्यावहारिक कौशलों का प्रशिक्षण दिया। 3 से 9 अगस्त तक चलने वाले इस शिविर में पूर्वी चम्पारण जिले के 250 युवा स्वयंसेवक भाग ले रहे हैं। प्रशिक्षण के दौरान स्वयंसेवकों को आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित एवं प्रभावी सहायता उपलब्ध कराने के लिए डूबने की घटनाओं के बाद प्राथमिक उपचार, पीड़ित को सुरक्षित बचाने की तकनीक तथा जीवनरक्षक उपायों का व्यावहारिक प्रदर्शन कराया गया। साथ ही बीपी मशीन, स्टेथोस्कोप और पल्स ऑक्सीमीटर के सही उपयोग एवं शारीरिक स्थिति के प्राथमिक आकलन की जानकारी दी गई। एसडीआरएफ की टीम ने घायल व्यक्तियों के मूल्यांकन, सुरक्षित तरीके से उठाने एवं स्थानांतरित करने (लिफ्टिंग एंड मूविंग), दुर्घटनास्थल से सुरक्षित निकासी तथा सीमित संसाधनों में स्ट्रेचर तैयार करने की तकनीक का भी अभ्यास कराया। रक्तस्राव रोकने, शरीर में धंसी वस्तु की स्थिति में प्राथमिक उपचार, फ्रैक्चर पर उचित सहारा एवं पट्टी बांधने तथा सड़क दुर्घटना के बाद अस्पताल पहुंचने से पूर्व दी जाने वाली प्राथमिक चिकित्सा के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। स्वयंसेवकों को गुड समैरिटन कानून के प्रति भी जागरूक किया गया। प्रशिक्षण में सीपीआर (कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन) तथा बेहोशी अथवा सांस की नली में बाहरी वस्तु फंसने की स्थिति में हाइमलिक विधि का सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया। पूरे दिन स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक प्रशिक्षण में भाग लिया।महाविद्यालय के एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. गौरव भारती ने बताया कि प्रशिक्षण का उद्देश्य युवाओं को आपदा की स्थिति में तत्काल प्रतिक्रिया, प्राथमिक उपचार, घायल व्यक्तियों के सुरक्षित स्थानांतरण तथा जीवनरक्षक तकनीकों में दक्ष बनाना है, ताकि वे आवश्यकता पड़ने पर प्रशिक्षित फर्स्ट रिस्पॉन्डर के रूप में समाज की प्रभावी सहायता कर सकें। उन्होंने कहा कि 250 युवाओं का यह प्रशिक्षण पूर्वी चम्पारण में आपदा के प्रति सामुदायिक तैयारी और युवाओं की क्षमता विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित होगा।

क्या जिला एडीएम कार्यालय से जुड़ा है भू माफियाओ के तार?

सरकारी या रैयती? विरोधाभासी आदेशों ने बढ़ाया विवाद, अब अधिकारी–भूमि माफिया गठजोड़ के आरोपों की निष्पक्ष जांच की मांग

बीएनएम@ सागर सूरज

» मोतिहारी की 21 डिसमिल सरकारी जमीन पर कब्जा, क्या एडीएम कार्यालय के आदेशों से कब्जे के प्रयास को मिली प्रशासनिक ताकत?

मोतिहारी। सदर अंचल के बरियारपुर मौजा स्थित 21 डिसमिल जमीन को लेकर शुरू हुआ विवाद अब केवल भूमि स्वामित्व का मामला नहीं रह गया है, बल्कि प्रशासनिक निर्णयों की पारदर्शिता और जवाबदेही पर भी गंभीर सवाल खड़े कर रहा है।

एक ओर जनवरी 2026 में तत्कालीन एडीएम मुकेश सिन्हा की अध्यक्षता वाली समिति के आदेश के आधार पर इस जमीन को रैयती मानते हुए खरीद-बिक्री पर लगी रोक हटाई गई, वहीं दूसरी ओर वर्तमान अंचल अधिकारी ने इसी भूमि को बेतिया राज की सरकारी जमीन बताते हुए अवैध कब्जे के प्रयास का मामला दर्ज कराया।

दस्तावेजों के अनुसार, एडीएम कार्यालय के आदेश के बाद संबंधित पक्ष इस जमीन पर मिट्टी भराई और कब्जे की कार्रवाई के लिए पहुंचा।

इसके बाद जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव के निर्देश पर सदर अंचल अधिकारी ने छापेमारी कर एक हाइवा, कार और स्कूटी जब्त कराई तथा छतौनी थाना में एफआईआर दर्ज कराई।

प्राथमिकी में आरोप लगाया गया कि सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे का प्रयास किया जा रहा था।

एफआईआर में जिन लोगों के नाम दर्ज हैं, उनमें सचिन कुमार, अंकुल कुमार, ओम राय, राजू राय और जितेंद्र कुमार शामिल हैं। इन सभी पर सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे के प्रयास का आरोप लगाया गया है।

पूरे घटनाक्रम का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि यदि वर्तमान प्रशासन और अंचल कार्यालय के अनुसार यह भूमि वास्तव में बेतिया राज की सरकारी जमीन है, तो फिर एडीएम कार्यालय ने किस आधार पर इसे रैयती मानते हुए रोक हटाई। वहीं यदि एडीएम कार्यालय का आदेश सही था, तो बाद में इसी जमीन को सरकारी बताकर एफआईआर क्यों दर्ज की गई। एक ही भूमि पर प्रशासन के दो विपरीत रुख ने पूरे मामले को संदेह के घेरे में ला दिया है।

संक्षिप्त समाचार

पीएचडी की उपाधि मिलने पर पूर्व प्राचार्य ने दी शुभकामना

बीएनएम@ बगहा : बगहा अनुमंडल अंतर्गत मधुबनी प्रखंड स्थित पीएम श्री राजकीय कृत हरदेव प्रसाद इंटरमीडिएट कॉलेज के पूर्व प्राचार्य पं. भरत उपाध्याय ने डॉ संतोष कुमार त्रिपाठी को शुभकामनाएं दी हैं। कहा कि सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु से पीएचडी (डॉक्टरेट) की उपाधि प्राप्त हुई है। कुछ शिक्षा गुरु से ली जाती है, तो कुछ सत्य स्वयं अपने अथक प्रयास से खोजे जाते हैं। ज्ञान की सीमा किताबी ज्ञान से कहीं अधिक इनके शोध एवं आचरण पर आधारित रहती है।आज की शिक्षा केवल ज्ञान प्राप्त करने या आजीविका अर्जित करने में सक्षम बनाने वाली नहीं होनी चाहिए, बल्कि नैतिक मूल्य और व्यक्तित्व विकास का भी माध्यम होनी चाहिए।" डाक्टर त्रिपाठी के इस उपलब्धि से बिहार और उत्तर प्रदेश के बुद्धिजीवियों , शिक्षकों और छात्रों में खुशी की लहर दौड़ गई। उपाधि प्राप्ति के बाद डॉ संतोष कुमार त्रिपाठी ने कहा कि आज का दिन मेरे जीवन के लिए गौरव का दिवस है। मैं सभी श्रेष्ठ गुरुजन एवं शुभेच्छु गण को हृदय से नमन करता हूं।

बांकीपुर में हार के बाद तेजस्वी का सरकार पर हमला

कानून-व्यवस्था और ईओ हत्याकांड पर उठाए सवाल

बीएनएम@ पटना। बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के नतीजों के बाद नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने पहली बार खुलकर प्रतिक्रिया देते हुए राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है। पटना में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी जनता के जनादेश का पूरा सम्मान करती है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि बिहार में भाजपा के प्रति लोगों की नाराजगी लगातार बढ़ती जा रही है। उन्होंने राज्य

की कानून-व्यवस्था, देहरी की कार्यपालक पदाधिकारी (ईओ) विमल कुमारी हत्याकांड और सरकार के कामकाज पर कड़े सवाल उठाते हुए दावा किया कि हाल के स्थानीय निकाय और विधान परिषद चुनावों में भी जनता ने भाजपा को करारा झटका दिया है।डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी पर निशाना साधते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि उनके कार्यकाल में ऐसी कोई बड़ी उपलब्धि सामने नहीं आई है जिसे सफलता के रूप में गिनाया जा सके और सरकार विकास के बजाय केवल प्रचार पर ध्यान दे रही है। विमल कुमारी हत्याकांड का जिक्र करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि पीड़ित परिवार को हर हाल में न्याय मिलना चाहिए तथा मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि जांच के दौरान कुछ महत्वपूर्ण पहलुओं की अनदेखी की जा रही है, और यदि परिवार किसी संदिग्ध व्यक्ति पर आरोप लगा रहा है, तो पुलिस को उस दिशा में भी तथ्यों के आधार पर गहराई से जांच करनी चाहिए। उन्होंने यह भी दावा किया कि गिरफ्तार ड्राइवर के बयान बदलने की बात सामने आई है, जिसकी सत्यता की गंभीरता से जांच की जानी चाहिए।

सुरसंड नगर पंचायत में पेयजल संकट के खिलाफ किया सत्याग्रह

बीएनएम@ सीतामढ़ी :- सीतामढ़ी जिला के सुरसंड नगर पंचायत अंतर्गत वार्ड संख्या-01 में व्याप्त गंभीर पेयजल संकट और लंबे समय से लंबित "हर घर नल-जल योजना" के विरोध में वार्ड पार्षद ने नगर पंचायत परिसर में पांच सूत्री मांगों को लेकर

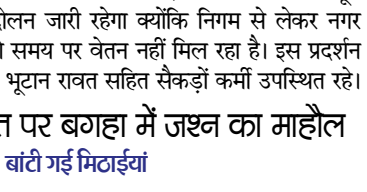

शांतिपूर्ण सत्याग्रह किया। पार्षद ने बताया कि पिछले करीब डेढ़ वर्ष से लगातार पत्राचार और अनुरोध के बाद भी योजना का कार्य शुरू नहीं हुआ है, जिससे स्थानीय लोग भारी परेशानी झेल रहे हैं।सत्याग्रह से पहले कार्यपालक पदाधिकारी को स्मरण पत्र सौंपकर 23 जुलाई की बैठक के निर्णयों की प्रगति रिपोर्ट मांगी गई थी। साथ ही, दो नए सार्वजनिक प्याऊ लगवाने के आवेदन पर अब तक कोई कार्रवाई न होने पर गहरी चिंता जताई गई। सत्याग्रहियों ने स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य टकराव पैदा करना नहीं, बल्कि वार्डवासियों को स्वच्छ और पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराना है। उन्होंने प्रशासन से जनभावनाओं का आदर करते हुए पांच सूत्री मांगों पर तत्काल सकारात्मक कदम उठाने की पुरजोर अपील की है ताकि जनता को इस भीषण संकट से शीघ्र राहत मिल सके।

सफाई कर्मियों ने पूर्व डिप्टी सीएम रेणु देवी के आवास का किया घेराव

बीएनएम@ बेतिया। पश्चिम चंपारण जिले के बेतिया में तीन सूत्री मांगों को लेकर 'बिहार स्थानीय निकाय कर्मचारी महासंघ' के बैनर तले सैकड़ों सफाई कर्मियों ने स्थानीय विधायक सह पूर्व उपमुख्यमंत्री रेणु देवी के आवास का घेराव किया और जमकर प्रदर्शन किया। विदित हो

कि कर्मचारी बीते 30 जुलाई से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं, लेकिन प्रशासन की बेरुखी के कारण उन्हें यह कदम उठाना पड़ा।विधायक रेणु देवी ने कर्मचारियों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए तुरंत विभागीय मंत्री से फोन पर बात की, जिन्होंने समस्याओं के जल्द समाधान का ठोस आश्वासन दिया। इस सकारात्मक आश्वासन के बाद प्रदर्शनकारियों में खुशी की लहर दौड़ गई और उन्होंने "रेणु देवी जिंदाबाद" के नारे लगाए। हालांकि, संघ के नेता विनय बागी ने चेतावनी दी कि जब तक मांगें पूरी तरह लागू नहीं होतीं, आंदोलन जारी रहेगा क्योंकि निगम से लेकर नगर पंचायत तक के कर्मियों को समय पर वेतन नहीं मिल रहा है। इस प्रदर्शन में रुपाली देवी, पूनम देवी, भूटान रावत सहित सैकड़ों कर्मी उपस्थित रहे।

जनसुराज की जीत पर बगहा में जश्न का माहौल

बांटी गई मिठाईयां

बीएनएम@ बगहा : पटना के बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में जनसुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर की जीत की घोषणा के बाद बगहा में पार्टी कार्यकर्ताओं ने उत्साह के साथ जश्न मनाया। शहर के बगहा दो शास्त्री नगर स्थित जनसुराज कार्यालय में पूर्व विधानसभा प्रत्याशी प्रोफेसर नंदेश पाण्डेय के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर जीत की खुशी साझा की, तथा मिठाइयां बांटी। इस अवसर पर जनसुराज नेता कमरान अजीज, दीर्घनारायण प्रसाद, संजय सिंह, ओबीसी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष उमेश गुप्ता तथा कार्यालय प्रभारी विनोद प्रसाद समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत की बधाई दी और पार्टी की सफलता पर खुशी जाहिर की। वक्ताओं ने कहा कि यह जीत जनसुराज की नीतियों, संगठन की लगातार मेहनत और जनता के भरोसे का परिणाम है। समारोह के अंत में कार्यकर्ताओं ने पार्टी की आगामी रणनीति पर भी चर्चा की और संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने का संकल्प लिया।

डेहरी में चारों बेटियों ने पिता की अर्थी को दिया कंधा और मुखाग्नि

बीएनएम@ रोहतास

समाज में बेटा और बेटी के बीच भेदभाव की पुरानी सोच के बीच रोहतास जिले के डेहरी से एक ऐसी तस्वीर सामने आई है, जिसने मानवीय संवेदनाओं और बदलते सामाजिक मूल्यों की नई मिसाल पेश की है। न्यू डिलिया स्थित वार्ड संख्या-20 में एक पिता के निधन के बाद उनकी चारों बेटियों ने न केवल उनकी अर्थी को कंधा दिया, बल्कि मुखाग्नि देकर अंतिम संस्कार की सभी रस्में भी पूरी कीं। बेटियों के इस साहसिक कदम की इलाके में व्यापक चर्चा हो रही है।जानकारी के अनुसार न्यू डिलिया निवासी अरुण कुमार लंबे समय से कैंसर से पीड़ित थे। गंभीर बीमारी से जूझने के बाद उनका निधन हो गया। करीब 50 वर्षीय अरुण कुमार अपने पीछे चार बेटियों का परिवार छोड़ गए। उनकी पत्नी नीरू देवी का पहले

ही निधन हो चुका था। परिवार में कोई पुत्र नहीं होने के कारण अंतिम संस्कार को लेकर परंपरागत मान्यताओं के बीच एक अलग स्थिति उत्पन्न हो गई। ऐसे समय में उनकी चारों बेटियां खुद आगे आईं और पिता की अंतिम यात्रा की पूरी जिम्मेदारी अपने कंधों पर उठाई। दो विवाहित और दो अविवाहित बेटियों ने मिलकर पिता की अर्थी को कंधा दिया और श्मशान घाट तक पार्थिव शरीर पहुंचाया। इसके बाद उन्होंने अपने हाथों से पिता को मुखाग्नि देकर अंतिम संस्कार की सभी धार्मिक रस्में पूरी कीं। मृतक की बेटी शिवानी ने भावुक होकर बताया कि उनके पिता ने चारों बेटियों को कभी बेटे की कमी महसूस नहीं होने दी। उन्होंने शिक्षा, संस्कार और आत्मनिर्भरता के साथ उनका पालन-पोषण किया। डेहरी की यह घटना केवल एक परिवार की कहानी नहीं, बल्कि समाज में बदलती सोच और बेटी-बेटे की समानता का मजबूत संदेश बनकर सामने आई है।

बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के नतीजों की घोषणा के साथ ही क्षेत्र का राजनीतिक परिदृश्य साफ

बांकीपुर उपचुनाव में नहीं बच पाई 23 प्रत्याशियों की जमानत

बीएनएम@ पटना

बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के नतीजों की घोषणा के साथ ही क्षेत्र का राजनीतिक परिदृश्य साफ हो गया है। इस चुनाव में कुल 25 प्रत्याशियों ने अपनी चुनावी किस्मत आजमाई थी, जिनमें से 23 उम्मीदवार अपनी जमानत बचाने में पूरी तरह असफल रहे। चौंकाने वाली बात यह रही कि मुख्य विपक्षी दल राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की उम्मीदवार रेखा कुमारी भी तय न्यूनतम वोट हासिल न कर पाने के कारण अपनी जमानत नहीं बचा सकीं। दरअसल, हर स्तर के चुनाव में गैर-गंभीर उम्मीदवारों की भागीदारी को नियंत्रित करने के लिए चुनाव आयोग नामांकन के समय एक निश्चित राशि जमा करवाता है, जिसे 'जमानत राशि' कहा जाता है। पंचायत स्तर से लेकर देश के राष्ट्रपति चुनाव तक हर प्रत्याशी को यह राशि जमा करनी अनिवार्य होती है। यदि कोई उम्मीदवार चुनाव में एक तय सीमा तक वोट पाने में

असमर्थ रहता है, तो उसकी यह जमा पूंजी सरकारी खजाने में जब्त कर ली जाती है। विभिन्न चुनावों में उम्मीदवारों के वर्ग के आधार पर अलग-अलग जमानत राशि का प्रावधान है। 'जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951' के अनुसार, विधानसभा चुनाव में सामान्य वर्ग के लिए 10,000 और SC/ST वर्ग के लिए 5,000 तय हैं, जबकि लोकसभा में यह राशि क्रमशः 25,000 और 12,500 है। वहीं, 'राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति निर्वाचन अधिनियम, 1952' के तहत इन शीर्ष पदों के लिए सभी वर्गों के प्रत्याशियों के लिए 15,000 की राशि निर्धारित की गई है। चुनाव आयोग के नियमानुसार, किसी प्रत्याशी को अपनी जमानत राशि बचाने के लिए क्षेत्र में पड़े कुल वैध मतों का कम से कम 1/6 भाग यानी 16.66% वोट प्राप्त करना आवश्यक होता है। यही 16.66% का नियम राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति चुनावों पर भी समान रूप से लागू होता है। 1/6 से अधिक वोट पाने वाले सभी उम्मीदवारों की जमानत राशि मतगणना के पश्चात चुनाव आयोग द्वारा वापस लौटा दी जाती है। हालाँकि, चुनावी नियमों में उम्मीदवारों को राहत देने वाले कुछ विशेष प्रावधान भी शामिल हैं। विजयी घोषित होने वाले उम्मीदवार की जमानत राशि स्वतः वापस कर दी जाती है, चाहे उसे कुल वोटों का 16.66% मिला हो या उससे कम। इसके अतिरिक्त, नामांकन रद्द होने, नाम वापस लेने या मतदान शुरू होने से पहले किसी प्रत्याशी का निधन हो जाने की स्थिति में भी यह राशि उम्मीदवार अथवा उसके वैधानिक परिजनों को लौटा दी जाती है।

नीतीश कुमार सीएम रहते तो बांकीपुर में ऐसा नहीं होता : अनंत सिंह

» बांकीपुर में बिजेपी की हार पर जदयू विधायक ने दी प्रतिक्रिया

बीएनएम@ पटना

बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के नतीजों के बाद बिहार में राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। भाजपा की हार को लेकर पक्ष-विपक्ष के नेताओं की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। इसी क्रम में मोकामा से जदयू विधायक अनंत सिंह ने चुनाव परिणाम को लेकर बड़ा राजनीतिक बयान दिया है। उन्होंने दावा किया कि यदि नीतीश कुमार मुख्यमंत्री पद पर बने रहते, तो बांकीपुर उपचुनाव का परिणाम

कुछ और होता। मंगलवार को मीडिया से बातचीत के दौरान अनंत सिंह ने कहा कि बांकीपुर का चुनावी नतीजा जनता की नाराजगी का संकेत है। उनके अनुसार, मुख्यमंत्री पद से नीतीश कुमार के हटने के बाद लोगों के बीच यह संदेश गया कि भाजपा ने उन्हें कुर्सी से हटाया है। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वास्तविकता यह नहीं है और नीतीश कुमार ने अपनी इच्छा से मुख्यमंत्री पद छोड़ा था, लेकिन जनता इस बात को स्वीकार नहीं कर पा रही है। उन्होंने कहा, 'जनता मालिक है। जिसे चाहे जिता दे और जिसे चाहे हरा दे। वोट किसी दुकान से खरीदकर नहीं लाया जाता। जनता के पास सबसे बड़ी ताकत है और वही लोकतंत्र में अंतिम फैसला करती है। JDU विधायक ने कहा कि जनता का मानना है कि उसने वोट नीतीश कुमार के नेतृत्व और उनके कामकाज को देखकर दिया था। ऐसे में उनके पद छोड़ने से लोगों के बीच असंतोष पैदा हुआ, जिसका असर बांकीपुर उपचुनाव के नतीजों में दिखाई दिया।

रामगढ़वा में 'भव्य' डिजिटल स्वास्थ्य प्रशिक्षण संपन्न, एएनएम व स्वास्थ्य कर्मियों को दिए गए पेपरलेस सेवा के गुर

बीएनएम@ रामगढ़वा

बिहार सरकार की महत्वाकांक्षी डिजिटल स्वास्थ्य योजना 'भव्य' (बिहार हेल्थ एप्लीकेशन विजनरी योजना फॉर ऑल) के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर मंगलवार को रामगढ़वा प्रखंड सभागार में विशेष प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में प्रखंड क्षेत्र की एएनएम एवं स्वास्थ्य कर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं। प्रशिक्षण की अध्यक्षता करते हुए प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. नितेश ध्वज सिंह ने कहा कि बिहार स्वास्थ्य सेवाओं के डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। उन्होंने बताया कि 'भव्य' पोर्टल के माध्यम से सरकारी अस्पतालों की कार्यप्रणाली को पूरी तरह पेपरलेस, पारदर्शी और अधिक प्रभावी बनाया जा रहा है। उन्होंने सभी स्वास्थ्य कर्मियों को निर्देश दिया कि ग्रामीण क्षेत्रों में मरीजों का डिजिटल पंजीकरण

तथा इलेक्ट्रॉनिक हेल्थ रिकॉर्ड समय पर अपडेट करना सुनिश्चित करें। प्रशिक्षण के दौरान प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. नितेश ध्वज सिंह, प्रखंड अनुश्रवण एवं मूल्यांकन पदाधिकारी ब्रजेश ओझा, डॉ. प्रहस्त तथा रितेश कुमार ने संयुक्त रूप से एएनएम और नर्सिंग स्टाफ को 'भव्य' एप्लीकेशन एवं पोर्टल के संचालन की तकनीकी जानकारी दी। उन्होंने मरीजों की आभा (ABHA) आईडी बनाने, डिजिटल ओपीडी पंजीकरण, ऑनलाइन चिकित्सकीय पर्ची (ई-प्रिस्क्रिप्शन) तथा इलेक्ट्रॉनिक हेल्थ रिकॉर्ड के प्रभावी उपयोग की प्रक्रिया का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया। प्रशिक्षण में रेणु कुमारी, वंदना कुमारी, शबनम कुमारी, तन्नू कुमारी, कोमल कुमारी एवं जाहिद इमाम सहित कई एएनएम और स्वास्थ्य कर्मियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने डिजिटल पोर्टल से संबंधित अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया और 'भव्य' योजना के सफल एवं प्रभावी संचालन के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता व्यक्त की।

वाल्मीकिनगर गंडक बराज ने छोड़ा 1.44 लाख क्यूसेक पानी

बीएनएम@ बगहा

नेपाल में बारिश से गंडक नदी का बढ़ा जलस्तर

नेपाल के तराई क्षेत्र में हुई भारी बारिश के साथ वाल्मीकिनगर गंडक बराज ने सोमवार की देर शाम करीब 1.44 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया। इसके प्रभाव से मंगलवार को धनहा स्थित गौत्तम बुद्ध सेतु के निचले हिस्से के दियारा क्षेत्र में बाढ़ का पानी फैलने लगा है। हालांकि अभी तक बाढ़ का पानी दियारा के गांवों तक नहीं पहुंचा है, लेकिन लगातार बढ़ते जलस्तर ने स्थानीय लोगों की चिंता बढ़ा दी है। उधर, रोहुआ नाला भी उफान पर है। नाला के अगले और निचले हिस्सों में तेजी से बाढ़ का पानी फैल रहा है। स्थिति पर प्रशासन और जल संसाधन विभाग लगातार नजर बनाए हुए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि नेपाल के तराई क्षेत्र में मंगलवार को भी लगातार बारिश होती है, तो दियारा क्षेत्र में बाढ़ का खतरा और बढ़ सकता

है। ऐसे में निचले इलाकों के लोगों की मुश्किलें बढ़ने की आशंका है। इधर, धनहा से लेकर मधुबनी तक गंडक नदी के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए जल संसाधन विभाग के अधिकारी पूरी तरह अलर्ट हैं। विभाग द्वारा तटबंधों की निगरानी बढ़ा दी गई है और हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है। प्रशासन ने भी लोगों से सतर्क रहने तथा नदी के किनारे अनावश्यक आवाजाही से बचने की अपील की है।

अधेड़ के लापता होने पर हत्या की परिजनों को आशंका

» गंडक नदी में मछली पकड़ने गए थे

बीएनएम@ योगापट्टी

योगापट्टी थाना क्षेत्र के सिसवा मंगलपुर पंचायत में एक 62 वर्षीय मछुआरे के संदिग्ध रूप से लापता होने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। परिजनों ने हत्या कर शव को गंडक नदी में फेंकने की आशंका जताते हुए कई लोगों के खिलाफ नामजद आवेदन दिया है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है, वहीं एनडीआरएफ की टीम गंडक नदी में लापता व्यक्ति की तलाश कर रही है।जानकारी के अनुसार, मंगलपुर रखई वार्ड संख्या-12 निवासी चंद्रिका मुखिया 31 जुलाई की रात करीब 11 बजे गांव के ही कुछ लोगों के साथ नाव से गंडक नदी में मछली पकड़ने गए थे। इसके बाद वह घर वापस नहीं लौटे। मृतक के पुत्र ने श्रीनगर पूजहां थाना में आवेदन देकर गांव के कुछ लोगों पर पिता की हत्या कर शव नदी में फेंक देने का आरोप लगाया है। पुलिस का कहना है कि सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है। एनडीआरएफ की टीम नदी में लगातार सर्च अभियान चला रही है। शव मिलने और जांच पूरी होने के बाद ही घटना के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

घोड़ासहनः जलकुंभी से भरे पोखर में युवक के डूबने की आशंका, दूसरे दिन भी एसडीआरएफ का सर्च ऑपरेशन जारी

बीएनएम@ घोड़ासहन

स्थानीय गुदरी बाजार स्थित एक पोखर में 25 वर्षीय युवक के डूबने की आशंका जताई जा रही है। पोखर में अत्यधिक जलकुंभी होने के कारण राहत और बचाव कार्य में भारी परेशानी आ रही है। स्थानीय लोगों और एसडीआरएफ (SDRF) की टीम मंगलवार को दूसरे दिन भी युवक की तलाश में जुटी रही, लेकिन फिलहाल उसका कोई सुराग नहीं मिल सका है। डूबने की आशंका जिस युवक पर है, उसकी पहचान गुदरी बाजार के रहने वाले अच्छेलाल ठाकुर के पुत्र सिकिन्दर ठाकुर उर्फ चाइनीज के रूप में हुई है। पत्नी के लिए खरीदी थी चूड़ियां, फिर अचानक उठाया यह कदम परिजनों ने बताया कि सिकिन्दर पेशे

से मजदूर था और पेटी-अलमीरा बनाने वाली दुकान में काम करता था। सोमवार को दिनभर मजदूरी करने के बाद मिले 350 रुपये से उसने सावन महीने के लिए अपनी पत्नी के लिए चूड़ियां और लहठी खरीदीं। लेकिन सोमवार शाम को ही वह अचानक दुकान से निकला और पोखर में कूद गया। वहाँ मौजूद साथी कारीगरों ने तुरंत मुस्तैदी दिखाते हुए उसे पानी से बाहर निकाल लिया और समझाकर बैठाया। मगर कुछ ही देर में वह दोबारा पीछे के रास्ते से भागा और पोखर में छलांग लगा दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, वह जलकुंभी के ऊपर दौड़ते हुए आगे बढ़ा और फिर अचानक पानी में ओझल हो गया।

घनी जलकुंभी बनी रेस्क्यू में सबसे बड़ी बाधा- घटना की जानकारी मिलते ही घोड़ासहन थाना पुलिस और स्थानीय प्रशासन तुरंत हरकत में आया। देर रात तक तलाश करने के बाद मंगलवार सुबह पीपराकोठी से SDRF की टीम बुलाई गई।

एसडीआरएफ के एसआई कृष्णा कुमार के मुताबिक, टीम पानी में उतरकर खोजने में सक्षम है, लेकिन पूरे पोखर में फैली जलकुंभी की मोटी परत सर्च ऑपरेशन में सबसे बड़ी रुकावट बनी हुई है। ग्रामीण और बचाव दल लगातार जलकुंभी को हटाकर युवक को ढूंढने का प्रयास कर रहे हैं। मौके पर स्थिति का जायजा लेने के लिए अंचलाधिकारी, राजस्व अधिकारी सकलदेव प्रसाद, घोड़ासहन थाना की एएसआई पूजा कुमारी सहित भारी संख्या में पुलिस बल और स्थानीय लोग मौजूद हैं। प्रशासन लगातार हालात पर नजर बनाए हुए है।

सुपौल : पढ़ाई के समय क्लासरूम में सोते मिले शिक्षक

बीएनएम@ सुपौल

» राघोपुर के सरकारी स्कूल की व्यवस्था पर उठे सवाल

जिले के राघोपुर प्रखंड स्थित प्राथमिक विद्यालय, दीपनगर बिचारी में विद्यालय अवधि के दौरान एक शिक्षक के कक्षा में सोते पाए जाने का मामला इन दिनों चर्चा का विषय बना हुआ है। घटना का वीडियो सामने आने के बाद सरकारी विद्यालयों की शिक्षा व्यवस्था और निगरानी तंत्र पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं, हालांकि इस मामले की आधिकारिक जांच अभी बाकी है।मिली जानकारी के अनुसार, विद्यालय समय के दौरान करीब साढ़े 11 बजे एक स्थानीय पत्रकार ने शिक्षक विनय कुमार झा उर्फ बिट्टू झा को कक्षा में सोते हुए कैमरे में रिकॉर्ड कर लिया। सामने आए वीडियो में शिक्षक के सामने

बच्चे बैठे हुए साफ दिखाई दे रहे हैं और यह दावा किया जा रहा है कि आवाज देने पर शिक्षक हड़बड़ाकर उठे, जिनके मुंह में गुटखा भी नजर आया। यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसके बाद स्थानीय ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों और अभिभावकों में भारी नाराजगी देखने को मिल रही है।ग्रामीणों का आरोप है कि संबंधित शिक्षक पहले भी शिक्षण कार्य के प्रति लापरवाही बरतते रहे हैं। घटना के समय विद्यालय के प्रधानाध्यापक अवकाश पर थे, जिससे विद्यालय संचालन की पूरी जिम्मेदारी अन्य शिक्षकों पर थी। इस मामले को लेकर ग्रामीणों ने प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी (बीईओ) और जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीईओ) से त्वरित एवं निष्पक्ष जांच कराने की पुरजोर मांग की है। हालांकि, खबर लिखे जाने तक आरोपी शिक्षक, प्रधानाध्यापक या शिक्षा विभाग के किसी भी अधिकारी की ओर से इस पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है, और विभाग की जांच रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सकेगी।

नागरिक अधिकारों की अनदेखी

पुलिस कार्रवाइयों में मानव अधिकारों की अनदेखी बढ़ती चली गई है। गाहे-ब-गाहे ऐसी धारणा बनी है कि पुलिसकर्मी सरकारी नीति के तहत या सत्ताधारी नेताओं के निर्देश पर नागरिक अधिकारों की अनदेखी कर रहे हैं। कॉकरोच जनता पार्टी के नेतृत्व ने परीक्षा व्यवस्था की गड़बड़ियों की जवाबदेही तय करने के लिए आंदोलन चलाया, लेकिन उसी आंदोलन के दौरान ही पुलिस जवाबदेही का जो सवाल खड़ा हुआ, उसे उठाने की जिम्मेदारी उसने नहीं निभाई। यह स्वागतयोग्य है कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने ये दायित्व उठाया है। इससे संसद में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच टकराव का नया मुद्दा भी उभरा है। गांधी ने रविवार को गृह मंत्री अमित शाह को लिखे पत्र में दो ठोस सवाल पूछेः क्या 20 जुलाई को छात्रों के संसद मार्च के दौरान उन पर पैलेट गन सहित जानलेवा ताकत के इस्तेमाल की मंजूरी आपने दी और अगर नहीं, तो फिर किसने दी? सादी पोशाक में जो लोग लाठियों से छात्रों को पीटते देखे गए, वे पुलिसकर्मी थे या स्वयंसेवक, और उनकी तैनाती का आदेश किसने दिया? देश के जनमत का एक बड़ा हिस्सा राहुल गांधी की इस टिप्पणी से सहमत होगा कि ऐसी हिंसा से हर कायदा नष्ट होता है और इस घटना ने देशवासियों में आक्रोश भरा है। आशा है, गृह मंत्री नेता विपक्ष को जवाबी पत्र लिखने अथवा संसद में इन प्रश्नों का उत्तर देने की अपनी जवाबदेही स्वीकार करेंगे। इसकी आवश्यकता इसलिए भी है, क्योंकि हाल के वर्षों में पुलिस कार्रवाइयों के दौरान मानव अधिकारों के प्रति सम्मान का भाव लगातार घटता चला गया है। गाहे-ब-गाहे ऐसी धारणा बनी है कि पुलिसकर्मी सरकारी नीति के तहत या उच्च पदस्थ राजनेताओं के निर्देश पर नागरिक अधिकारों की अनदेखी कर रहे हैं। 20 जुलाई को पुलिसकर्मियों ने देश की राजधानी में, विश्व मीडिया के सामने, उच्च-मध्यम एवं मध्य वर्ग से आए ज़ेन-ज़ी प्रदर्शनकारियों पर वैसी ही अमान्य कार्रवाइयां कीं। चूंकि दिल्ली पुलिस केंद्रीय गृह मंत्रालय के तहत आती है, इसलिए यह अपेक्षित है कि अमित शाह इस बारे में स्थिति स्पष्ट करें। अगर पुलिसकर्मियों ने खुद अति-उत्साह दिखाया, तो उनके खिलाफ तुरंत उचित कार्रवाई शुरू की जानी चाहिए। अगर निर्णय राजनीतिक स्तर पर लिया गया, तो गृह मंत्री को अपना उत्तरदायित्व स्वीकार करना चाहिए। जवाबदेही का सवाल धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के साथ खत्म नहीं हो गया है।

नीलेकणी के ऊपर परीक्षा प्रणाली में सुधार का जिम्मा

अजीत द्विवेदी

इंफोसिस के सह संस्थापक और भारत में आधार क्रांति के सूत्रधार नंदन नीलेकणी के ऊपर केंद्र सरकार ने परीक्षा प्रणाली में सुधार के सुझाव देने का जिम्मा सौंपा है। भारत की अंतरिक्ष एजेंसी इसरो के पूर्व प्रमुख एस सोमनाथ को भी इस उच्चाधिकार प्राप्त कमेटी का सदस्य बनाया गया है। पता नहीं लोगों को याद हो कि न हो, दो साल पहले इसरो के पूर्व प्रमुख के राधाकृष्णन की अध्यक्षता में परीक्षा प्रणाली में सुधार के सुझाव देने के लिए एक कमेटी बनाई गई थी। जैसे 2026 में नीट यूजी पेपर लीक के बाद यह कमेटी बनी है वैसे ही 2024 में नीट यूजी पेपर लीक के बाद वह कमेटी बनी थी। राधाकृष्ण कमेटी ने एक सौ ज्यादा सिफारिशें की थीं। एक रिपोर्ट के मुताबिक उनकी 27 सिफारिशें ऐसी हैं, जिन पर ध्यान नहीं दिया गया। कुछ सिफारिशें आंशिक तौर पर मानी गईं और 57 सिफारिशों को पूरी तरह से स्वीकार किया गया। लेकिन उसका क्या नतीजा निकला? दो साल के बाद फिर पेपर लीक हो गया!

राधाकृष्ण कमेटी ने सिफारिश की थी नीट यूजी सहित करीब 20 प्रतियोगिता परीक्षाएं कराने वाली नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए में विषय के विशेषज्ञों को शामिल किया जाए। इस सिफारिश को स्वीकार कर लिया गया। इसके बाद भी पेपर लीक होना जारी है और दूसरी गड़बड़ियां भी हो ही रही हैं तो इसका अर्थ है कि एकमात्र समस्या यह नहीं है कि एनटीए में विषय के विशेषज्ञ नहीं हैं। समस्या संरचनात्मक और व्यवस्थागत है। अगर नंदन नीलेकणी संरचनात्मक समस्याओं को समझ कर उसे ठीक करने का सुझाव देते हैं तब तो ठीक है अन्यथा इसका भी कोई मतलब नहीं होगा।

उनके सामने सबसे पहली और बड़ी चुनौती यह है कि क्या वे अखिल भारतीय परीक्षा के सिद्धांत को खत्म करने की सिफारिश करेंगे? क्या वे कहेंगे कि एक बार में 24 लाख छात्रों वाली नीट यूजी की परीक्षा नहीं होनी चाहिए? क्या वे यह सिफारिश कर सकते हैं कि मेडिकल में दाखिले की पुरानी व्यवस्था बहाल हो और नीट यूजी की बजाय राज्यों को अपने कॉलेजों में दाखिले का अधिकार पहले जैसा दिया जाए? यानी शिक्षा और परीक्षा के मामले में राज्यों की स्वायत्तता सुनिश्चित की जाए। अगर नंदन नीलेकणी की कमेटी नीट समाप्त करने और मेडिकल में दाखिले की परीक्षा का विकेंद्रीकरण करने की सिफारिश नहीं करती है तो उनकी सिफारिशों का स्कोप बहुत सीमित हो जाएगा और तब किसी बड़े सुधार की संभावना कम हो जाएगी।

अब सवाल है कि अगर नीट समाप्त करने या नीट जैसी दूसरी अखिल भारतीय परीक्षाएं खत्म करने की सिफारिश नीलेकणी कमेटी नहीं करती है तो उसके पास क्या विकल्प बचेगा? सबसे अच्छा तो यही होगा कि नीट को समाप्त किया जाए। लेकिन अगर सरकार की ओर से कमेटी की सिफारिशों का जो स्कोप तय किया जाएगा यानी जो फ्रेमवर्क दिया जाएगा उसमें पहले ही यह स्पष्ट कर दिया जाए कि नीट की परीक्षा जारी रहेगी तो फिर नीलेकणी कमेटी को नीट को इंजीनियरिंग में दाखिले की परीक्षा जेईई की तरह दो चरणों में कराने की

सिफारिश करनी चाहिए। ध्यान रहे अगले साल नीट की परीक्षा जेईई की तरह कंप्यूटर आधारित होगी और कई पालियों में होगी। हालांकि उसमें प्रश्नपत्रों की कठिनता के आधार पर अंकों के सामान्यीकरण की अलग समस्या आती है। फिर भी कंप्यूटर बेस्ड परीक्षा पेपर लीक की संभावना को कम करती है। इसके साथ साथ अगर नीट की परीक्षा भी जेईई के तरह दो चरण में हो तो पेपर लीक की संभावना और कम हो सकती है। दो चरण का अर्थ है कि पहले चरण में प्रारंभिक परीक्षा हो और दूसरे चरण में एडवांस परीक्षा हो। पहले चरण में मल्टीपल च्वाइस वाले प्रश्न हों और दूसरे चरण में सब्जेक्टिव प्रश्न पूछे जाएं।

इसके अलावा नीलेकणी कमेटी को मेडिकल की पढ़ाई की फीस को नियमित करने के बारे में भी सुझाव देने चाहिए। अभी मेडिकल की परीक्षा में सबसे ज्यादा प्रश्न पत्र इसलिए लीक होते हैं कि एक बार में परीक्षा होती है और 720 अंकों की परीक्षा में अगर अच्छे अंक आ गए तो देश के प्रीमियम संस्थान में बहुत कम फीस में पढ़ने का मौका मिलता है। अन्यथा निजी कॉलेजों में फीस इतनी ज्यादा है कि लोग स्वाभाविक रूप से पेपर लीक पर पैसा खर्च करने के लिए प्रेरित होते हैं। खुद सरकार इसी वजह से इसे हाई स्टेक यानी बड़े दांव वाली परीक्षा मानती है। नीट के बचाव में तर्क दिया जाता है कि इसमें क्वालिफाई करके गरीब बच्चे भी मेडिकल की पढ़ाई कर सकते हैं। यह गलत है। निजी मेडिकल कॉलेजों में फीस एक से डेढ़ करोड़ रुपए तक है। ऐसे में कौन गरीब अपने बच्चों को वहां पढ़ा पाएगा! अगर डोनेशन नहीं देना पड़े तब भी निजी कॉलेजों में मेडिकल की पढ़ाई का खर्च सामान्य लोगों की पहुंच से बाहर है। बहरहाल, नीलेकणी कमेटी को सिर्फ नीट पर विचार नहीं करना है, बल्कि पूरी परीक्षा प्रणाली को दुरुस्त करने के सुझाव देने हैं। इसकी शुरुआत एनटीए से हो सकती है। भारत सरकार ने एक देश, एक परीक्षा की महत्वाकांक्षी योजना के तहत एनटीए का गठन किया। इसके बाद एक एक करके परीक्षाओं को अखिल भारतीय स्वरूप दिया जाने लगा। मेडिकल की परीक्षा के साथ साथ केंद्रीय विश्वविद्यालयों में दाखिले के लिए भी सीयूईटी की परीक्षा ली जाने लगी। इसमें अलग समस्याएं हैं। वास्तविकता यह है कि एनटीए देश में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता सुधार में शून्य योगदान दे रहा है। सो, नीलेकणी कमेटी एनटीए को खत्म करने और पुरानी विकेंद्रित परीक्षा व्यवस्था बहाल करने की सिफारिश करे। सवाल है कि अगर एनटीए को समाप्त करना उसके स्कोप ऑफ वर्क से बाहर हो तो क्या करना चाहिए? तब उसे एनटीए में सुधार की सिफारिश करनी चाहिए।

सबसे पहला सुधार तो यह जरूरी है कि एनटीए को कम से कम वैधानिक दर्जा दिया जाए। अगर सरकार चाहती है कि यूपीएससी की तरह इसकी परीक्षाएं विश्वसनीय बनें तो इसे संवैधानिक नहीं तो वैधानिक दर्जा दिया जाए। इसका अपना कैडर बने ताकि तदर्थ ढंग से काम नहीं हो। अभी इधर उधर से ले आकर अधिकारियों को रखा जाता है और गड़बड़ी होने पर बाद में उनको वापस अपने कैडर में भेज दिया जाता है। इससे जवाबदेही नहीं बनती है। इसके बाद ठेके पर नियुक्ति रोकने की सिफारिश की जाए और परीक्षा से जुड़े काम आउटसोर्स करने पर रोक लगे। यूपीएससी की तरह एनटीए का अपना बुनियादी ढांचा बने। विशेषज्ञों की नियुक्ति हो और पूरे साल इसका काम चले। जैसे यूपीएससी की परीक्षा में प्रश्न पत्र के ढेर सारे सेट बनते हैं और किसी को पता नहीं होता है कि परीक्षा में कौन से सेट का इस्तेमाल होगा वैसी व्यवस्था एनटीए द्वारा आयोजित की जाने वाली परीक्षाओं के लिए भी की जाए। एनटीए जिन परीक्षाओं का आयोजन करता है उसके अलावा भी कई एजेंसियां हैं, जो दाखिला और भर्ती परीक्षा आयोजित करती हैं। उनमें भी एनटीए की तर्ज पर ही सुधार की सिफारिश होनी चाहिए। हालांकि सिर्फ कमेटी की सिफारिशों से कुछ खास नहीं होगा। सरकार की मंशा और राजनीतिक इच्छाशक्ति भी होनी चाहिए तभी जरूरी सुधार होंगे।

आंदोलन पूरी तरह से छात्रों और युवाओं का

हरिशंकर व्यास

नीट पेपर लीक के खिलाफ जंतर मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन और सोनम वांगचुक की 26 दिन तक चली भूख हड़ताल की तुलना 2011 के अन्ना हजारे के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन से की जा रही है। ऊपर से देखने पर लगेगा कि वैसा ही आंदोलन है। इससे पहले हुए किसी दूसरे आंदोलन से भी इसकी तुलना की जा सकती है। कह सकते हैं कि छात्र और नौजवान वैसे ही उद्वेलित हुआ, जैसे 2012 में निर्भया कांड के समय था। ऊपरी तौर पर इसकी तुलना पिछले पांच दशक में हुए किसी भी दूसरे आंदोलन से की जा सकती है। जेपी के आंदोलन से भी तुलना कर सकते हैं तो मंडल, मंदिर, किसान, शाहीन बाग, पाटीदार या मराठा आंदोलन के कुछ कुछ तत्व इस आंदोलन में भी तलाशे जा सकते हैं। लेकिन थोड़ी बारीकी से देखेंगे तो पता चलेगा कि यह आंदोलन अब तक हुए सभी आंदोलनों से कई मायने में भिन्न है।

इस आंदोलन की सबसे बड़ी पहचान है कि इसमें किसी तरह की अस्मिता नहीं तलाश सकते हैं। इस लिहाज से यह जेपी और अन्ना हजारे के आंदोलन की तरह है। उन दोनों आंदोलनों में भी समाज का हर वर्ग शामिल था क्योंकि उनमें जिस चीज का विरोध किया जा रहा था वह हर वर्ग को प्रभावित करने वाली थी। बाकी आंदोलनों में किसी न किसी तरह की अस्मिता का मामला रहा है। मंडल से लेकर मराठा या पाटीदार आरक्षण के आंदोलन में जातीय अस्मिता प्रमुख थी। मंदिर आंदोलन में भी हिंदू अस्मिता बहुत मुखर थी तो शाहीन बाग में मुस्लिम अस्मिता। निर्भया कांड के समय हुआ आंदोलन एक फ्लैश प्रोटेस्ट था, जो एक घटना से उपजा था और जल्दी ही समाप्त हो गया। उसका दायरा पूरे देश में नहीं फैला था।

इन सबसे उलट नीट यूजी के पेपर लीक के खिलाफ चल रहा आंदोलन पूरी तरह से छात्रों और युवाओं का है। इसमें एक खास बात यह भी है कि कोई एक व्यक्ति यह दावा नहीं कर सकता है कि वह आंदोलन का नेतृत्व कर रहा है। सोनम वांगचुक जरूर इस आंदोलन की नैतिक ताकत हैं लेकिन नेतृत्व उनके हाथ में भी नहीं है। कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके भी आंदोलन का नेतृत्व करने का दावा नहीं कर सकते हैं। ऐसे आंदोलन के अक्सर अराजक हो जाने का खतरा रहता है।

परंतु यह आंदोलन इतना लंबे चलने के बावजूद अराजक नहीं हुआ। जंतर मंतर पर मोटे तौर पर शांति बनी रही। दिल्ली से बाहर दूसरे राज्यों में जरूर कुछ प्रदर्शनों में हिंसा होने की खबरें आईं लेकिन दिल्ली में पुलिस की बड़ी कार्रवाई के बावजूद शांति रही। इसका कारण यह था कि आंदोलन में असली स्टेकहोल्डर्स शामिल थे। यानी ऐसे छात्र शामिल हुए, जिनको अपना भविष्य बचाना है। वे पेशेवर नेता या प्रदर्शनकारी नहीं थे। छात्र और युवा अपने वास्तविक सरोकारों की वजह से जंतर मंतर पर पहुंचे थे।

असल में शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था की गड़बड़ियों के खिलाफ गुस्सा काफी समय से जमा हो रहा था। यह सिर्फ अखिल भारतीय परीक्षाओं जैसे नीट यूजी या जेईई या सीयूईटी आदि का मामला नहीं है। दाखिले और नौकरी के लिए होने वाली राज्यों की प्रतियोगिता परीक्षाओं में भी लगातार गड़बड़ी हो रही थी। छात्रों की सबसे बड़ी शिकायत यह है कि परीक्षाओं का कैलेंडर नहीं बना है। नियमित परीक्षाएं नहीं होती हैं।

कई साल की परीक्षाओं को मिला कर एक परीक्षा होती है और उसमें भी पेपर लीक हो जाता है या परीक्षा केंद्र मैनेज करके अलग तरह की धांधली होती है। अगर पेपर लीक या परीक्षा केंद्र मैनेज होने की घटना न हो तो प्रश्न पत्र में गड़बड़ी हो जाती है, उत्तर पुस्तिका जांचने में गड़बड़ी हो जाती है या नतीजे आने में बहुत समय लग जाता है। कई साल की परीक्षा एक साल कराने की वजह से बड़ी संख्या में छात्रों की उम्र सीमा पार हो जाती है। इन सबका संचित गुस्सा जंतर मंतर पर निकला है। शिक्षा और परीक्षा की व्यवस्था में गड़बड़ियों से परेशान एक पूरी पीढ़ी ने इस आंदोलन में हिस्सा लिया है। यह इसकी सबसे खास बात है। जिस पीढ़ी को 'जेन जीÓ कहा जाता है और जिसमें 14 से लेकर 29 साल तक के युवा हैं, वह पीढ़ी इस आंदोलन में सड़कों पर उतरी। यह फीगर ऑफ स्पीच नहीं है कि ये आंदोलन 'जेन जीÓ का। सचमुच आठवीं, नौवीं क्लास की लड़कियां, जिनकी उम्र 14 या 15 साल की है वो प्रदर्शन करने पहुंचीं। अपने क्लास की किताब लेकर लड़कियां आईं, जिन्होंने पढ़ कर सुनाया कि लोकतंत्र का क्या मतलब होता है और आज वास्तव में क्या हो रहा है। वयस्क होने से पहले की उम्र के सैकड़ों छात्र और युवा जंतर मंतर पर दिखाई दिए, जिनके चेहरे पर दृढ़ प्रतिबद्धता थी। वे किसी राजनीतिक विचार से प्रभावित नहीं थे। उनको अपने भविष्य की चिंता थी। उनको लग रहा था कि ऐसे ही चलता रहा तो उनकी पढ़ाई और उनका परिश्रम व्यर्थ जाएगा। किशोर उम्र के बच्चे और बच्चियां जिद करके अपने अभिभावकों को लेकर जंतर मंतर पहुंचीं। अन्ना हजारे के आंदोलन में लोग बच्चों को तमाशा दिखाने ले जाते थे इस बार बच्चे अपने माता पिता को लेकर पहुंचे। सुरक्षा व्यवस्था संभाल रहे कई पुलिसकर्मियों ने कहा कि उनके बच्चे भी आंदोलन में शामिल हैं। अनेक बच्चों ने कहा कि उनके माता पिता भाजपा के समर्थक हैं और वे उनसे छिप कर जंतर मंतर पहुंचे हैं।

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। इस राशि की महिलाओं के लिए आज का दिन अच्छा है। आज किसी बड़ी कम्पनी से जॉब के लिए आपको कॉल आ सकती है। आज आपको कारोबार में वरिष्ठ अधिकारियों और परिवार के सदस्यों से उचित समर्थन और मदद मिलेगी। फोन और संपर्कों के माध्यम से भी ऑफिसीयल गतिविधियां आज सुचारु रूप से चलती रहेंगी।

वृष राशि : आज का दिन आपके लिए सार्थक रहने वाला है। आज कम्पनी की तरफ से आपको काम के सिलसिले में विदेश यात्रा पर जाना पड़ सकता है। आज स्टूडेंट्स की पढ़ाई में रुचि बढ़ेगी, कई दिनों से किसी टॉपिक को समझने में परेशान चल रही थी आज उसे अच्छे से क्लियर कर पायेंगे। आज आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी।

मिथुन राशि : आज का दिन आपके लिए खुशहाल रहेगा। आज बच्चों के भविष्य से जुड़ी कुछ योजनाएं बनेंगी और उन्हें तुरंत लागू करना भी उचित रहेगा। किसी महत्वपूर्ण उद्देश्य को लेकर आज यात्रा भी हो सकती है। अपने उच्चाधिकारी के सामने बात रखने पर आज आपको पॉजीटिव रिस्पॉन्स मिलेगा।

कर्क राशि : आज आपका दिन उत्तम रहेगा। परिवार वालों के साथ मनोरंजन के लिए कहीं ट्रिप का प्लान बन सकता है। परिवार के सभी सदस्यों के साथ आज अच्छा समय बिताएंगे। रियल स्टेट से जुड़े लोगों की आज फायदेमंद डील हो सकती हैं। सरकारी क्षेत्र में सेवारत व्यक्तियों को आज जरूरी काम से यात्रा करनी पड़ सकती है।

सिंह राशि : आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण रहेगा। आज आपके सारे पुराने काम आसानी से पूरे हो जाएंगे। आज आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। साइंस से जुड़े छात्रों को आज अच्छी जॉब का ऑफर मिल सकता है। बिजनेस के सिलसिले में दोस्त के साथ बाहर जा सकते है। व्यापार को आगे बढ़ाने के लिए आप किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह लेंगे।

कन्या राशि : आज आप का दिन बेहतर रहेगा। बच्चों द्वारा आज शुभ समाचार मिलने से घर में ख़ुशी का माहौल रहेगा साथ ही पिछले कुछ दिनों से चल रही किसी दुविधा का भी समाधान निकलेगा जिससे परिवार के सभी सदस्यों को आनन्द की प्राप्ति होगी। आज खाद्य पदार्थों के व्यापार में चार गुना वृद्धि हो सकती है।

तुला राशि : आज का दिन आपके लिए लकी रहेगा। दोस्तों के साथ आज कहीं बाहर पार्टी करने जा सकते है। इस राशि के बिजनेस मैन को आज अचानक किसी काम का बड़ा आर्डर मिल सकता है। आज व्यवसाय में किसी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन किसी अनुभवी व्यक्ति के मार्गदर्शन से समस्या हल भी हो जाएगी।

वृश्चिक राशि : आज का दिन आपके लिए भाग्यशाली साबित होने वाला है। आज दोस्त की बर्थडे पार्टी में नए लोग मिलेंगे जो आपके लिए आने वाले समय फायदेमंद साबित होंगे। आज ऑफिस के कार्यों में मन लगेगा बॉस आपके काम से प्रभावित होंगे। यदि आज कहीं बाहर जाना चाह रहें है तो ए.टी.एम. कार्ड साथ ले जाना न भूलें। परिवार के साथ आज रात को बाहर डिनर का प्लान बन सकता है इससे रिश्तों में मधुरता बनेगी।

धनु राशि : आज आप का दिन ताजगी भरा रहेगा। आज की गई मेहनत का सार्थक फल आपको अवश्य मिलेगा। घर में आज किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति के आने से कुछ खास मुद्दों पर सकारात्मक विचार विमर्श होगा। आज आपको ऑफिस की महत्वपूर्ण जिम्मेदारीयां मिल सकती है। आज किसी प्रभावशाली व्यक्ति से मुलाकात का अवसर मिलेगा जिनसे भविष्य से जुड़ी योजनाओं पर विचार-विमर्श कर सकते हैं।

मकर राशि : आज आपका दिन सामान्य रहेगा। कलात्मक कार्यों में रुचि रखने वाले लोगों के लिए आज दिन विशेष है आज आपको अपनी योग्यता को निखारने का मौका मिल सकता है। सड़क पर चलते समय आज ट्रैफिक नियमों को ध्यान में रखकर ही रोड-क्रास करें। आज आप अपने दोस्त को प्रसन्न करने के लिए उन्हें चॉकलेट गिफ्ट कर सकते है। इस राशि के इंजीनियर्स के लिए आज का दिन फायदा देने वाला है।

कुंभ राशि : आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन करियर को एक बेहतर दिशा देने के लिए अनुकूल रहेगा। कारोबार में आज किसी नए काम को लेकर भ्रमित न हों और उस पर पूरे मन से काम करें निश्चित ही आप सफल होंगे। स्वास्थ्य के मामले में आज बाहर के खाने से परहेज करें।

मीन राशि : आज का दिन आपके लिए बेहद खास पल लेकर आया है। आज रोजगार में पदोन्नति के अवसर मिलेगा। आज प्रभावशाली लोगों से मेल-मुलाकात होने से आप अपने अंदर भी कुछ बदलाव महसूस करेंगे। बच्चों के भविष्य से जुड़ी कुछ योजनाएं बनेंगी और उन्हें तुरंत लागू करना भी उचित रहेगा ऑफिस में आज आपकी कर्तव्यनिष्ठा के लिए आपको सम्मानित किया जा सकता है आज आप ऑफिस टाइम पर जाएं।

ग्लासगो की गूंज और भारतीय खेलों का नया आत्मविश्वास

कुमार कृष्णन

खेलों को यदि केवल पदकों की गणना तक सीमित कर दिया जाए, तो वे अपनी सबसे बड़ी सामाजिक भूमिका खो देते हैं। किसी भी राष्ट्र के लिए खेल केवल प्रतिस्पर्धा नहीं होते; वे उसकी राजनीतिक इच्छाशक्ति, सामाजिक समानता, सांस्कृतिक आत्मविश्वास और संस्थागत क्षमता की भी परीक्षा होते हैं। इसीलिए जब कोई देश अंतरराष्ट्रीय खेल मंच पर सफल होता है, तो उसकी उपलब्धि का मूल्यांकन केवल स्वर्ण, रजत और कांस्य के आँकड़ों से नहीं, बल्कि इस प्रश्न से किया जाना चाहिए कि उस सफलता के पीछे किस प्रकार का सामाजिक और नीतिगत परिवर्तन काम कर रहा है।

ग्लासगो में आयोजित राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारत का प्रदर्शन इसी दृष्टि से उल्लेखनीय है। भारत ने 13 स्वर्ण, 17 रजत और 9 कांस्य सहित कुल 39 पदक जीते हैं। पहली दृष्टि में यह एक सफल खेल अभियान दिखाई देता है, किंतु यदि इसे व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखा जाए तो यह भारतीय खेल संस्कृति के धीरे-धीरे परिपक्व होने का संकेत भी है। पिछले एक दशक में खेलों के प्रति राज्य, समाज और परिवारों की सोच में जो परिवर्तन आया है, उसका प्रतिफल अब अंतरराष्ट्रीय मंच पर दिखाई देने लगा है। भारतीय खेलों की सबसे बड़ी उपलब्धि यह नहीं है कि पदकों की संख्या बढ़ी है। उससे अधिक महत्वपूर्ण यह है कि सफलता का दायरा विस्तृत हुआ है। एक समय था जब भारत की पहचान कुछ चुनिंदा खेलों तक सीमित थी, लेकिन ग्लासगो ने यह संकेत दिया है कि मुक्केबाजी, पैरा एथलेटिक्स, जूडो और वेटलिफ्टिंग जैसे खेलों में भी भारत अब गंभीर दावेदारी प्रस्तुत कर रहा है। यह परिवर्तन किसी संयोग का परिणाम नहीं है। इसके पीछे खिलाड़ियों का अथक परिश्रम, प्रशिक्षकों की प्रतिबद्धता, खेल विज्ञान का बढ़ता उपयोग और धीरे-धीरे विकसित होती संस्थागत संरचना की भूमिका है। इन खेलों में भारतीय मुक्केबाजों का प्रदर्शन विशेष उल्लेख का विषय है। सात स्वर्ण सहित दस पदक जीतना केवल तकनीकी श्रेष्ठता का प्रमाण नहीं, बल्कि उस दीर्घकालिक तैयारी का परिणाम है जिसमें प्रतिभा की पहचान से लेकर अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण तक एक निरंतर प्रक्रिया विकसित हुई। खेलों में कोई भी सफलता अचानक नहीं आती; वह वर्षों की अदृश्य मेहनत का दृश्य परिणाम होती है। भारतीय मुक्केबाजी ने यही सिद्ध किया है। लेकिन ग्लासगो की सबसे महत्वपूर्ण कथा भारतीय महिला खिलाड़ियों ने लिखी है। भारत के 13 स्वर्ण पदकों में से 8 स्वर्ण महिलाओं के खाते में जाना केवल एक खेल उपलब्धि नहीं, बल्कि भारतीय समाज में हो रहे परिवर्तन का भी संकेत है। मीराबाई चानू, शर्मिला धनकर, अस्मिता डे, साक्षी चौधरी, प्रीति पवार, जैस्मीन लम्बोरिया, प्रिया घंघास और अरुंधती चौधरी जैसे नाम आज केवल खिलाड़ियों के नाम नहीं हैं; वे उस सामाजिक परिवर्तन के प्रतीक हैं, जहाँ बेटियाँ परंपरागत सीमाओं को पार कर वैश्विक मंच पर भारत की पहचान बन रही हैं। पाँच महिला मुक्केबाजों का स्वर्ण जीतना विशेष रूप से उल्लेखनीय है। यह उपलब्धि इस धारणा को भी चुनौती देती है कि शक्ति, साहस और प्रतिस्पर्धा केवल पुरुषों के क्षेत्र हैं। खेलों ने बार-बार सिद्ध किया है कि अवसर समान हों तो प्रतिभा का कोई लिंग नहीं होता। भारतीय महिला खिलाड़ियों की यह सफलता उसी सामाजिक पुनर्संरचना का हिस्सा है, जिसमें खेल अब महिलाओं के लिए भी आत्मनिर्भरता, सम्मान और नेतृत्व का माध्यम बनते जा रहे हैं। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने इन उपलब्धियों को देश की बेटियों के लिए प्रेरणा बताया है। इस कथन का महत्व केवल औपचारिक बधाई तक सीमित नहीं है। वस्तुतः खेलों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी शिक्षा, पोषण, परिवार की मानसिकता और सार्वजनिक नीतियों में आए परिवर्तन का सम्मिलित परिणाम है। यह समझना होगा कि खेल मैदान में जीता गया प्रत्येक स्वर्ण पदक सामाजिक संरचना में भी एक नई जगह बनाता है। पैरा एथलेटिक्स में भारत का प्रदर्शन भी उतना ही महत्वपूर्ण है। तीन स्वर्ण सहित छह पदकों ने यह स्पष्ट किया है कि खेल केवल शारीरिक क्षमता का नहीं, बल्कि मानवीय संकल्प का भी क्षेत्र हैं। पैरा खिलाड़ियों की सफलता हमें यह याद दिलाती है कि किसी आधुनिक लोकतंत्र की पहचान इस बात से भी होती है कि वह अपने प्रत्येक नागरिक को अवसर देने की कितनी क्षमता रखता है। समावेशी खेल व्यवस्था केवल खिलाड़ियों के लिए नहीं, बल्कि समाज की संवेदनशीलता की भी कसौटी है।

इन उपलब्धियों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय खिलाड़ियों की सराहना करते हुए उनके समर्पण और संघर्ष को युवाओं के लिए प्रेरणा बताया है। इसमें कोई संदेह नहीं कि खेल उपलब्धियाँ समाज में आत्मविश्वास पैदा करती हैं। किंतु केवल प्रेरणा पर्याप्त नहीं होती। प्रेरणा को नीति, संसाधन और संस्थागत समर्थन से जोड़ना पड़ता है। अन्यथा खेलों का उत्साह कुछ समय बाद स्मृतियों तक सिमट जाता है।

यही वह बिंदु है जहाँ भारत को आत्ममंथन की आवश्यकता है। क्या 140 करोड़ की आबादी वाला देश अपनी वास्तविक खेल क्षमता तक पहुँच पाया है? क्या ग्रामीण भारत का प्रतिभाशाली बच्चा उतने ही अवसर प्राप्त करता है, जितने महानगरों का खिलाड़ी? क्या प्रत्येक जिले में ऐसी खेल संरचना विकसित हो चुकी है, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों को तैयार कर सके? इन प्रश्नों के उत्तर अभी संतोषजनक नहीं हैं। ग्लासगो की सफलता का सबसे बड़ा संदेश यही है कि भारत ने संभावनाओं को उपलब्धियों में बदलना शुरू किया है। किंतु इतिहास यह भी बताता है कि उपलब्धियाँ तभी स्थायी बनती हैं, जब उन्हें संस्थागत संस्कृति का हिस्सा बनाया जाए। यदि खेल केवल प्रतियोगिताओं के समय याद किए जाएँगे, तो यह सफलता क्षणिक होगी। लेकिन यदि खेलों को शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक विकास और राष्ट्रीय नीति के केंद्र में स्थान मिलेगा, तो ग्लासगो भविष्य की कहीं बड़ी उपलब्धियों की प्रस्तावना सिद्ध हो सकता है। ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में भारत की सफलता का वास्तविक महत्व इस बात में नहीं है कि पदकों की संख्या 39 रही, बल्कि इस बात में है कि इसने भारतीय खेल व्यवस्था के सामने एक बड़ा प्रश्न भी खड़ा किया है। क्या यह सफलता एक नई खेल संस्कृति की शुरुआत है या फिर कुछ चुनिंदा खिलाड़ियों की असाधारण उपलब्धियों का परिणाम? किसी भी राष्ट्र के खेल भविष्य का निर्धारण पदक तालिका नहीं, बल्कि उसकी संस्थागत तैयारी करती है। भारत लंबे समय तक प्रतिभा सम्पन्न, किंतु संसाधन-वंचित देश के रूप में देखा जाता रहा है। यह विडंबना रही कि विश्व की सबसे युवा आबादी वाले देशों में शामिल होने के बावजूद खेलों को शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास की मुख्यधारा में वह स्थान नहीं मिल पाया, जिसके वे अधिकारी थे। आज भी देश के हजारों सरकारी विद्यालयों में खेल मैदान नहीं हैं, लाखों बच्चों को प्रशिक्षित कोच उपलब्ध नहीं हैं और अनेक जिलों में आधुनिक खेल सुविधाएँ केवल कागज़ों तक सीमित हैं। ऐसे में जब कोई खिलाड़ी विश्व मंच पर पदक जीतता है, तो उसकी सफलता व्यवस्था की नहीं, बल्कि उसके व्यक्तिगत संघर्ष की कहानी अधिक प्रतीत होती है। यही कारण है कि ग्लासगो की उपलब्धि को आत्ममुग्धता के बजाय आत्ममंथन का अवसर बनाया जाना चाहिए। यदि भारत वास्तव में खेल महाशक्ति बनने की आकांक्षा रखता है, तो उसे खेलों को प्रतियोगिता नहीं, सार्वजनिक नीति का विषय मानना होगा। सड़क, बिजली और डिजिटल अवसंरचना जितनी आवश्यक है, उतनी ही आवश्यक खेल अवसंरचना भी है। स्वस्थ और अनुशासित समाज का निर्माण केवल अस्पतालों से नहीं, खेल मैदानों से भी होता है। खेलों का लोकतंत्रीकरण आज भारत की सबसे बड़ी आवश्यकता है। प्रतिभा महानगरों की बपौती नहीं होती। देश के दूरस्थ गाँवों, आदिवासी इलाकों, पहाड़ी क्षेत्रों और छोटे कस्बों में ऐसे असंख्य बच्चे हैं, जिनमें अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी बनने की क्षमता है। आवश्यकता केवल उनकी पहचान करने, उन्हें वैज्ञानिक प्रशिक्षण देने और आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने की है। यदि अवसर केवल बड़े शहरों तक सीमित रहेंगे, तो भारत अपनी विशाल जनसंख्या की वास्तविक क्षमता का उपयोग कभी नहीं कर पाएगा।

खेल विज्ञान की भूमिका भी अब निर्णायक हो चुकी है। आधुनिक खेलों में जीत केवल अभ्यास का परिणाम नहीं होती। पोषण, जैव-यांत्रिकी, खेल मनोविज्ञान, डेटा विश्लेषण, पुनर्वास और चोट प्रबंधन अब प्रशिक्षण का अनिवार्य हिस्सा हैं। भारत ने इस दिशा में कुछ उल्लेखनीय पहल अवश्य की हैं, किंतु यह सुविधाएँ अभी भी चुनिंदा खिलाड़ियों तक सीमित हैं। जब तक खेल विज्ञान जिला और राज्य स्तर की प्रशिक्षण व्यवस्था का अभिन्न अंग नहीं बनेगा, तब तक अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा में निरंतरता बनाए रखना कठिन होगा।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

भारत दौरे के लिए ऑस्ट्रेलिया-ए महिला टीम घोषित, टायला व्लेमिंक और डार्सी ब्राउन की वापसी

एजेंसी, नई दिल्ली

अगले महीने भारत दौरे पर आने वाली ऑस्ट्रेलिया-ए महिला क्रिकेट टीम की मंगलवार को 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी गई है। अनुभवी तेज गेंदबाज टायला व्लेमिंक और डार्सी ब्राउन टीम के तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई करेंगी। यह दौरा तीन सप्ताह तक चलेगा, जिसमें दोनों टीमें तीन टी20, तीन एकदिवसीय और एक चार दिवसीय मुकाबला खेलेंगी।

भारत दौरे के दौरान तीनों टी20 मुकाबले न्यू चंडीगढ़ के महाराजा यादविंद्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे। इसके बाद तीन एकदिवसीय मैच मोहाली के आईएस बिंद्रा स्टेडियम में होंगे, जबकि चार दिवसीय मुकाबला धर्मशाला के हिमाचल प्रदेश क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। इस दौरे के साथ 27 वर्षीय तेज गेंदबाज टायला व्लेमिंक लंबे समय बाद प्रतिस्पर्धी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वापसी करेंगी। चोटों से लगातार जूझने के कारण उनका करियर काफी प्रभावित रहा है। उन्होंने अप्रैल में ग्रीन बनाम गोल्ड अभ्यास मैच के जरिए वापसी की थी, जो 2024 टी20 विश्व कप में कंधे की गंभीर चोट के बाद उनका पहला मुकाबला था। इस वर्ष अप्रैल में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने लगातार चोटों के चलते उनका केंद्रीय अनुबंध भी समाप्त कर दिया था। वहीं, डार्सी ब्राउन को टी20 विश्व कप के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम में जगह नहीं मिली थी। उनकी अनुपस्थिति में बाएं हाथ की तेज गेंदबाज लूसी हैमिल्टन ने टीम में अपनी जगह मजबूत कर ली थी। अब ब्राउन को ऑस्ट्रेलिया-ए टीम के जरिए फिर से खुद को साबित करने का मौका मिलेगा। राष्ट्रीय चयनकर्ता शॉन फ्लेगलर ने कहा, "टायला को फिर से हरे और सुनहरे रंग की जर्सी में देखना और डार्सी की वापसी हमारे लिए बेहद खुशी की बात है। दोनों के पास अंतरराष्ट्रीय स्तर का अनुभव है और युवा खिलाड़ियों को उनसे सीखने का शानदार अवसर मिलेगा।" उन्होंने आगे कहा, "यह दौरा खिलाड़ियों के लिए उपमहाद्वीपीय परिस्थितियों में खेलने और मजबूत अंतरराष्ट्रीय प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ खुद को परखने का बेहतरीन अवसर है। करियर के शुरुआती दौर में भारतीय परिस्थितियों का अनुभव भविष्य में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कदम रखने के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित होता है।"एकदिवसीय श्रृंखला में ताहलिया विल्सन टीम की कप्तानी करेंगी, जबकि निकोल फाल्टम टी20 टीम और रेचल ट्रेनामैन चार दिवसीय मैच में ऑस्ट्रेलिया-ए की कप्तान होंगी। टीम के आधे से अधिक खिलाड़ी 25 वर्ष या उससे कम उम्र के हैं, जिनमें 21 वर्षीय ऑलराउंडर फ्रैंकी निकलिन और सियाना जिंजर भी शामिल हैं।

पाकिस्तान ने बल्लेबाजी कोच बदला, दक्षिण अफ्रीका के माइक स्मिथ को सौंपी जिम्मेदारी

एजेंसी, इस्लामाबाद

टेस्ट क्रिकेट में लगातार खराब बल्लेबाजी प्रदर्शन के बीच पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने दक्षिण अफ्रीका के पूर्व प्रथम श्रेणी क्रिकेटर और अनुभवी कोच माइक स्मिथ को राष्ट्रीय टेस्ट टीम का नया बल्लेबाजी कोच नियुक्त करने का फैसला किया है। वह असद शफीक की जगह यह जिम्मेदारी संभालेंगे। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, पीसीबी इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट श्रृंखला से पहले इस नियुक्ति की औपचारिक घोषणा कर सकता है। बताया जा रहा है कि बोर्ड द्वारा आवेदन आमंत्रित किए जाने के बाद माइक स्मिथ का चयन किया गया और वह इंग्लैंड दौरे से टीम के साथ जुड़ेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, असद शफीक के बल्लेबाजी कोच के रूप में कामकाज को लेकर सवाल उठ रहे थे, क्योंकि वह एक साथ पुरुष और महिला चयन समिति के सदस्य होने के अलावा कराची स्थित पीसीबी अकादमी के प्रमुख की जिम्मेदारी भी निभा रहे थे। ऐसे में बल्लेबाजी कोच की भूमिका पर पूरा ध्यान नहीं दे पाने की आलोचना हो रही थी। पिछले तीन वर्षों में पाकिस्तान ने बल्लेबाजी कोच के पद पर कई बदलाव किए हैं। इस दौरान यूनिस खान, मोहम्मद यूसुफ, एंड्रयू पुटिक और असद शफीक इस भूमिका में रह चुके हैं। लगातार बदलाव के कारण विदेशी कोचों की रुचि भी कम रही। रिपोर्ट

के अनुसार, पीसीबी के विज्ञापन पर पांच से भी कम आवेदन प्राप्त हुए। माइक स्मिथ लेवल-4 प्रमाणित कोच हैं और दक्षिण अफ्रीका के पूर्व प्रथम श्रेणी क्रिकेटर रह चुके हैं। वह पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में मुल्तान सुल्तान्स के साथ भी काम कर चुके हैं, जिससे उन्हें पाकिस्तान की घरेलू क्रिकेट प्रणाली का अनुभव है। हाल के समय में पाकिस्तान की बल्लेबाजी टेस्ट क्रिकेट में लगातार संघर्ष करती रही है। टीम विदेशी धरती पर लगातार आठ टेस्ट मैच हार चुकी है, जो उसके टेस्ट इतिहास का सबसे खराब क्रम माना जा रहा है। हाल ही में वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट में पाकिस्तान 211 रन का लक्ष्य भी हासिल नहीं कर सका था, जिससे टीम 26 वर्षों में पहली बार वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला हारने के खतरे का सामना कर रही है।

केंद्रीय खेलमंत्री मंडाविया ने अनाहत सिंह और जूनियर स्क्वैश टीम को किया सम्मानित

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने मंगलवार को विश्व जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप 2026 में पदक जीतने वाली भारतीय खिलाड़ियों और टीम का सम्मान किया।

इस दौरान महिला एकल में स्वर्ण पदक जीतने वाली अनाहत सिंह तथा कांस्य पदक विजेता भारतीय जूनियर पुरुष टीम के सदस्य आर्यवीर देवान, युशा नफीस और गुरवीर सिंह को सम्मानित किया गया। 18 वर्षीय अनाहत सिंह ने पिछले सप्ताह कनाडा में आयोजित विश्व जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप में महिला एकल का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। वह इस प्रतियोगिता में विश्व जूनियर महिला एकल का स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बनीं। यह उनका इस प्रतियोगिता में पांचवां अभियान था और विश्व जूनियर चैंपियनशिप में दूसरा पदक भी। इससे पहले उन्होंने 2025 में काहिरा में कांस्य पदक जीता था। सम्मान समारोह के दौरान खिलाड़ियों से बातचीत करते हुए डॉ. मंडाविया ने उन्हें हालिया सफलता को लंबे सफर की शुरुआत मानने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि अब खिलाड़ियों का अगला लक्ष्य एशियाई खेल 2026 और लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 होना चाहिए।

प्रीमियर लीग: रियल मैड्रिड छोड़ फुलहम से जुड़े स्ट्राइकर गोंजालो गार्सिया

एजेंसी, पेरिस । इंग्लिश प्रीमियर लीग क्लब फुलहम ने स्पेनिश स्ट्राइकर गोंजालो गार्सिया को रियल मैड्रिड से अनुबंधित कर लिया है। क्लब और रियल मैड्रिड ने सोमवार को इस ट्रांसफर की आधिकारिक घोषणा की। इसके साथ ही गार्सिया की अपने पूर्व कोच अल्वारो अर्बेलोआ के साथ फिर से जोड़ी बन गई है। 22 वर्षीय गार्सिया का पिछला सत्र शानदार रहा था। उन्होंने रियल मैड्रिड के लिए सभी प्रतियोगिताओं में आठ गोल किए, जिनमें ला लीगा के छह गोल शामिल थे। जनवरी में रियल बेटिस के खिलाफ उन्होंने हैट्रिक भी लगाई थी। गार्सिया ने फुलहम के साथ वर्ष 2031 तक का अनुबंध किया है। क्लब के पास इस अनुबंध को एक वर्ष और बढ़ाने का विकल्प भी रहेगा। स्पेनिश मीडिया के अनुसार, इस ट्रांसफर की राशि लगभग 4 करोड़ यूरो (करीब 4.6 करोड़ अमेरिकी डॉलर) है। वहीं, रियल मैड्रिड ने भविष्य में होने वाले किसी भी ट्रांसफर पर 30 प्रतिशत सेल-ऑन क्लॉज अपने पास रखा है। फुलहम ने इसी वर्ष गर्मियों में अल्वारो अर्बेलोआ को मुख्य कोच नियुक्त किया था। अर्बेलोआ इससे पहले रियल मैड्रिड की युवा टीमों के साथ काम कर चुके थे और जनवरी में जाबी अलोंसो के पद से हटने के बाद उन्हें पहली टीम की जिम्मेदारी मिली थी। गार्सिया के अलावा 21 वर्षीय स्पेनिश अटैकिंग मिडफील्डर सीजर पलासियोस भी रियल मैड्रिड छोड़कर फुलहम से जुड़ गए हैं।

डीपीएल 2026: ट्रॉफी जीतने के लिए हर खिलाड़ी का योगदान जरूरी : यश धुल

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 में नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स के खिलाफ 210 रन का विशाल लक्ष्य हासिल करने के बाद सेंट्रल दिल्ली किंग्स के कप्तान यश धुल ने टीम के सामूहिक प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने कहा कि किसी भी टीम को चैंपियन बनने के लिए अलग-अलग मुकाबलों में अलग-अलग खिलाड़ियों का योगदान जरूरी होता है। यश धुल ने कहा, "हमारे लिए सबसे सकारात्मक बात यह है कि हर मैच में कोई न कोई नया खिलाड़ी आगे आकर जिम्मेदारी निभा रहा है।

पिछले मैच में वंश बेदी ने शानदार प्रदर्शन किया था, जबकि आज जोंटी सिद्धू और आदित्य भंडारी ने बेहतरीन पारियां खेलीं। इससे पूरी टीम का आत्मविश्वास बढ़ता है कि हम किसी भी लक्ष्य का पीछा कर सकते हैं। ट्रॉफी जीतने के लिए अलग-अलग परिस्थितियों में अलग-अलग खिलाड़ियों का योगदान जरूरी होता है।" उन्होंने जोंटी सिद्धू और आदित्य भंडारी की मैच जिताऊ साझेदारी की भी जमकर तारीफ की। धुल ने कहा, "जोंटी और आदित्य के बीच हुई साझेदारी बेहद अहम रही। हमने पिछले सीजन से ही जोंटी पर भरोसा जताया है और आज उन्होंने शानदार परिपक्वता दिखाई। शुरुआती विकेट गिरने के बाद उन्होंने पारी को बेहतरीन तरीके से संभाला। युवा खिलाड़ियों को उनकी बल्लेबाजी से काफी कुछ सीखने को मिलेगा।"

बिजनेस

स्टॉक मार्केट में पूजा प्रेसिजन की जोरदार शुरुआत, जबरदस्त फायदे में आईपीओ इनवेस्टर

एजेंसी, नई दिल्ली

कारों, इलेक्ट्रिकल व्हीकल्स और अन्य उद्योगों के लिए एल्युमिनियम पार्ट्स बनाने वाली कंपनी पूजा प्रेसिजन इंजीनियरिंग लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जबरदस्त प्रीमियम के साथ एंट्री कर अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 301 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 56.15 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 470 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये शेयर टूट कर 451.10 रुपये के स्तर आ गए। हालांकि थोड़ी देर बाद ही लिवाली शुरू हो गई, जिससे इस शेयर की स्थिति में सुधार होने लगा। दोपहर 12:30 बजे तक का कारोबार होने के बाद ये शेयर 493.50 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 192.50 रुपये यानी 63.95 प्रतिशत का फायदा हो गया था। इस आईपीओ में निवेशकों ने 400 शेयर के लॉट में आवेदन किया था। इस तरह हर आईपीओ निवेशक को अभी तक 77 हजार रुपये का फायदा हो चुका है। इस कंपनी का 159.83 करोड़ रुपये का आईपीओ 28 से 30 जुलाई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 278.83 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 206.46 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 463.43 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 247.58 गुना और एंप्लॉयीज के लिए रिजर्व पोर्शन 1.33 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 53.10 लाख शेयर बेचे गए हैं। आईपीओ में शेयरों की बिक्री से जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी नई मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी सेटअप करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने, पुराने कर्ज के बोझ को कम करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। पूजा प्रेसिजन इंजीनियरिंग लिमिटेड की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत मजबूत नजर आती है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 16.10 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 23.93 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का शुद्ध लाभ उछल कर 30.90 करोड़ रुपये हो गया। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 174.59 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 222.80 करोड़ और वित्त वर्ष 2025-26 में उछल कर 295.20 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज के बोझ में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी पर 14.28 करोड़ रुपये का कर्ज था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 19.54 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

लोकसभा में 'कराधान और अन्य कानून (संशोधन) विधेयक, 2026' पेश

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को लोकसभा में भारी हंगामे के बीच 'कराधान और अन्य कानून (संशोधन) विधेयक, 2026' पेश किया। वित्त मंत्री ने लोकसभा में 'कराधान और अन्य कानून (संशोधन) विधेयक, 2026' पेश करते हुए सदन को बताया कि यह विधेयक 'पेमेंट एंड सेटलमेंट सिस्टम्स एक्ट, 2007' और 'इनकम-टैक्स एक्ट, 2025' में और संशोधन तथा 'वित्त अधिनियम, 2026' में संशोधन के लिए है। लोकसभा में पेश किए गए 'कराधान और अन्य कानून (संशोधन) विधेयक, 2026' में भारत के कर प्रणाली में बड़े बदलाव का प्रस्ताव है। इस विधेयक को लाने का मकसद विनिर्माण को बढ़ावा देना, विदेशी निवेश आकर्षित करना और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण एवं डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे उभरते सेक्टर को सपोर्ट करना है।

सब्सक्रिप्शन के लिए एजियस टेक्नोलॉजीज का आईपीओ लॉन्च, 11 अगस्त को हो सकती है लिस्टिंग

एजेंसी, नई दिल्ली

रोबोटिक्स और इंटेलिजेंट ऑटोमेशन सेक्टर के लिए काम करने वाली कंपनी एजियस टेक्नोलॉजीज का 23.71 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में छह अगस्त तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद सात अगस्त को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 10 अगस्त को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 11 अगस्त को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। लॉन्चिंग के बाद दोपहर 1:30 बजे तक इस आईपीओ को 20 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन मिल चुका था। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 100 रुपये से लेकर 105 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 2,400 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,52,000 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 22,58,400 शेयर जारी किए जा रहे हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 42.72 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 29.97 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 12.91 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इसके अलावा मार्केट मेकर के लिए 14.40 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इस इश्यू के लिए टर्नअराउंड कॉरपोरेटर एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि स्काईलाइन फाइनेंशियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। प्रभात फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड कंपनी का मार्केट मेकर है। एजियस टेक्नोलॉजीज की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत मजबूत बनी रही है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 93 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 1.39 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का शुद्ध लाभ उछल कर 4.02 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 15.28 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 21.90 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 41.22 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ था। इस अवधि में कंपनी पर लदा कर्ज का बोझ मामूली उतार-चढ़ाव के बावजूद बढ़ता गया। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी पर 4.16 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में थोड़ा कम होकर 4.10 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की बात करें, तो इस वित्त वर्ष के दौरान कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ उछल कर 11.93 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सपाट कारोबार, चेन्नई में सोने के भाव में तेजी का रुख

एजेंसी, नई दिल्ली

चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान बिना किसी बदलाव के सपाट स्तर पर कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। सिर्फ चेन्नई में सोने के भाव में आज 320 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 350 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी नजर आ रही है। सपाट स्तर पर हो रहे कारोबार की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,44,210 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,44,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,32,190 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,32,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी बदलाव नहीं होने की वजह से ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 2,34,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,44,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,32,340 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,44,210 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,32,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,44,260 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,32,240 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,44,560 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,32,510 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,44,210 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,32,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,44,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,32,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार में मिला-जुला रुझान, सेंसेक्स में तेजी और निफ्टी में कमजोरी का रुख

एजेंसी, नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान मिला-जुला रुझान नजर आ रहा है। सेंसेक्स मजबूती के साथ कारोबार कर रहा है, जबकि निफ्टी बड़ी गिरावट के बाद निचले स्तर से रिकवर करता हुआ नजर आ रहा है। सेंसेक्स ने आज मजबूत शुरुआत की, वहीं निफ्टी की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। बाजार खुलने के बाद बिकवाली शुरू हो जाने की वजह से ये दोनों सूचकांक ओपनिंग लेवल से नीचे गिर गए। हालांकि पहले 20 मिनट के कारोबार के बाद ही खरीदारी शुरू हो जाने की वजह से दोनों सूचकांक की चाल में सुधार होने लगा। सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.25 प्रतिशत कि बढ़त के साथ कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 0.56 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा था। बीएसई का सेंसेक्स आज 493.94 अंक यानी 0.63 प्रतिशत की मजबूती के साथ 79,132.97 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से यह सूचकांक गिर कर 78,698.11 अंक के स्तर तक आ गया। हालांकि थोड़ी देर बाद ही खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे इस सूचकांक की स्थिति में सुधार होने लगा। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 196.28 अंक की मजबूती के साथ 78,835.31 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

संजय मल्होत्रा बुधवार सुबह 10 बजे करेंगे एमपीसी के निर्णयों का ऐलान

एजेंसी, नई दिल्ली

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिवसीय समीक्षा बैठक दूसरे दिन मंगलवार को भी चल रही है। सोमवार से चल रही द्विमासिक एमपीसी समीक्षा बैठक के फैसलों के 'निर्णय' का ऐलान 5 अगस्त को आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा सुबह 10 बजे करेंगे। आरबीआई के मुताबिक रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा का मौद्रिक नीति वक्तव्य 5 अगस्त को सुबह 10 बजे भारत मानक समय (आईएसटी) निर्धारित है। इसके बाद दोपहर 12 बजे मॉनेटरी पॉलिसी के बाद की प्रेस कांफ्रेंस होगी। आर्थिक मामलों के जानकारों का मानना है कि 6 सदस्यों वाली मौद्रिक नीति समिति जून की बैठक की तरह ही इस बार भी नीतिगत ब्याज दर रेपो रेट को 5.25 फीसदी पर बरकरार रखेगी। एसबीआई रिसर्च के अनुसार आरबीआई के नीतिगत दरों को जस का तस रखने की संभावना ज्यादा है, क्योंकि अगले दो तिमाहियों में उपभोक्ता मूल्य मुद्रास्फीति (महंगाई) के 5 फीसदी से ऊपर रहने का अनुमान है, जबकि घरेलू आर्थिक गतिविधियों में मजबूती के संकेत दिख रहे हैं। इस वित्त वर्ष 2026-27 में एमपीसी की कुल 6 बैठकें होनी हैं, ये एमपीसी की तीसरी बैठक है। पहली समीक्षा बैठक अप्रैल में हुई थी। आरबीआई ने वृद्धि दर को बढ़ावा देने के लिए पिछले साल नीतिगत ब्याज दर रेपो रेट में 1.25 फीसदी की कटौती की थी, जो फिलहाल 5.25 फीसदी पर बरकरार है।

फिल्मों में दमदार किरदार चाहती हैं अविका गौर, बोलीं- फर्नीचर बनकर नहीं रहना

टीवी के पॉपुलर शो बालिका वधू में आनंदी का किरदार निभाकर घर-घर में पहचान बनाने वाली अविका गौर अब अपने करियर को नई दिशा देना चाहती हैं. एक्ट्रेस का कहना है कि वो अब ऐसे रोल्स चुन रही हैं, जिनमें सिर्फ स्क्रीन पर मौजूदगी नहीं, बल्कि दमदार अभिनय दिखाने का मौका भी मिले. अविका स्टंट-बेस्ड रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी 15 के साथ छोटे पर्दे पर वापसी करने जा रही हैं. शो के दौरान अविका ने कहा, मेरा मानना है कि लोग मुझसे बेहतरीन परफॉर्मेंस की उम्मीद करते हैं. मैं अपनी फिल्मों में ऐसे किरदार निभाती रही हूं जहां मुझे परफॉर्म करने, एक्टिंग करने और एक एक्टर के तौर पर अपनी काबिलियत दिखाने का मौका मिलता है. एक्ट्रेस ने आगे कहा, इसलिए मुझे लगता है कि मेरा फोकस हमेशा सही स्क्रिप्ट और सही किरदारों को चुनने पर रहेगा, जहां मुझे फिल्म में सिर्फ फर्नीचर बनकर रहने के बजाय कुछ और करने का मौका मिले. इसलिए मैं सही स्क्रिप्ट और सही किरदारों को चुनने को लेकर हमेशा बहुत सतर्क रहूंगी. खतरों के खिलाड़ी 15 में वापसी के बारे में बात करते हुए अविका ने माना कि भले ही ये शो फिजिकली और मेंटली बहुत मुश्किल है, लेकिन उनका पिछला एक्सपीरियंस काफी चैलेंजिंग था. उन्होंने कहा, ये शो वैसे भी आसान नहीं है. ये बहुत चैलेंजिंग है. लेकिन मेरे लिए, मेरा पिछला सीजन कहीं ज्यादा मुश्किल था. उस सीजन में मुझे जो स्टंट दिए गए थे, वे मेरे लिए ज्यादा डरावने थे. इसलिए, अभी जो स्टंट मैं कर रही थी, उनसे मुझे इतना डर नहीं लगा कि मुझे लगे कि मुझे हार मान लेनी चाहिए. अविका इससे पहले शो के सीजन 9 में हिस्सा ले चुकी हैं. वर्कफ्रंट की बात करें तो अविका गौर का पंजाबी म्यूजिक वीडियो 7 अगस्त को रिलीज होने वाला है. इसके अलावा उन्होंने हिंट दिया कि वो जल्द ही टीवी पर भी वापसी कर सकती हैं. हालांकि, उन्होंने कहा कि फिलहाल वो इस प्रोजेक्ट के बारे में ज्यादा जानकारी शेयर नहीं कर सकतीं. बता दें, रोहित शेट्टी के होस्ट किए गए खतरों के खिलाड़ी 15 1 अगस्त से कलर्स टीवी पर आ रहा है और इसे जियोहॉटस्टार पर भी स्ट्रीम किया जा रहा है. शो के पुराने और नए कंटेस्टेंट के बीच मुकाबला देखने को मिलेगा.

हम अपने बच्चों को इविल फेमिनाजी और दानवी वामपंथियों से बचाएं : कंगना

हाल ही में बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान अपने भाई सोहेल खान से मिलने के लिए रियलिटी शो द अलायंस के सेट पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने अपने खास अंदाज में पैपराजी को पोज दिए। सलमान खान इस मौके पर डेनिम की शर्ट, काली पैंट और एक स्टाइलिश काउबॉय हैट में बेहद कूल नजर आ रहे थे। उनकी यह सरप्राइज विजिट उस वक्त हुई जब सोहेल खान शो में एक भावनात्मक पल से गुजर रहे थे, जिसने सभी की निगाहें उन पर टिका दीं। दरअसल, सोहेल द अलायंस में अपनी एक्स-वाइफ सीमा सजदेह के साथ वाइल्डकार्ड कंटेस्टेंट बनकर आए थे। यह शो रिश्तों की जटिलताओं और पूर्व-भागीदारों के बीच की केमिस्ट्री पर आधारित था। सीमा के शो से बाहर होने के बाद सोहेल काफी टूट गए थे। उनका कहना था कि वे नहीं चाहते थे कि सीमा शो से जाए, क्योंकि उन्हें लगा कि शायद अब उन्हें कभी साथ में इतना लंबा और बिना रुकावट वाला समय बिताने का मौका नहीं मिलेगा। यह पल उनके लिए बेहद व्यक्तिगत और भावनात्मक था, जो कैमरे पर साफ दिखाई दे रहा था। शो के दौरान, जब सिस्टम ने सभी एलीस से अपनी नई टीमों के नाम बताने को कहा, तो टीम किंग में अली, अगु और रुही एक साथ थे। वॉरियर टीम में

अरसलान, बाली और कशिश ने अपनी जगह बनाई। वहीं, लीजेंड टीम में मिनी, निती और वंश थे, जबकि जैद, सोहेल और पायल डेजी के साथ थे। हालांकि, डेजी शाह और सीमा सजदेह किसी भी टीम का हिस्सा नहीं बन पाए थे, और उनका भविष्य पूरी तरह से कुशाल टंडन के हाथ में चला गया था, जिसे दोनों में से किसी एक को बचाना और दूसरे को बाहर करना था। इस मुश्किल घड़ी में, अपनी किस्मत को मानते हुए, सीमा ने एक बड़ा दिल दिखाते हुए डेजी को बचाने का फैसला किया। उन्होंने डेजी से कहा कि तुम्हें ही रुकना चाहिए, और फिर सोहेल से कहा, अब मैं अपने बच्चों के पास घर वापस जाने के लिए तैयार हूं। सीमा के ये शब्द सुनकर सोहेल काफी भावुक हो गए थे। उन्होंने सीमा को रोकने की कोशिश करते हुए कहा, मुझे लगता है कि तुम्हें रुकना चाहिए, क्योंकि ये जो 24 घंटे हमें साथ बिताने को मिल रहे हैं, पता नहीं ये दोबारा मिलेंगे या नहीं। सोहेल के इन शब्दों में उनके अधूरे रिश्ते का दर्द और सीमा के साथ बिताए उन पलों की अहमियत साफ झलक रही थी। इस गलत मोड़ और शो के प्रारूप से परेशान होकर सोहेल ने सिस्टम पर भी सवाल उठाया। उन्होंने पूछा, सिस्टम कब से चैलेंजर सैडिस्टिक होने लगा? यह उनके गुस्से और निराशा को दर्शाता था।

पेपर लीक के बाद सारी खुशियां एक तरफ रखनी पड़ीं : मानुषी छिल्लर

बहुत कम लोग जानते हैं कि बॉलीवुड एक्ट्रेस मानुषी छिल्लर ने एक्ट्रेस बनने से पहले मेडिकल की पढ़ाई की थी और डॉक्टर बनने का सपना देखा था। मिस वर्ल्ड 2017 का ताज पहनने वाली मानषी ने हाल ही में अपने जीवन के उस दौर के बारे में बात की, जब उन्हें डॉक्टर बनने के लिए कई मुश्किलों से गुजरना पड़ा था। खासकर 2015 में हुए मेडिकल एंट्रेंस पेपर लीक के बाद जो कुछ हुआ, उसने उन्हें अंदर तक तोड़ कर रख दिया था। एक टॉक शो में मानुषी ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा, पेपर लीक को मैं दो नजरिए से देखती हूं। एक मेरा खुद का अनुभव और दूसरा देश के लाखों स्टूडेंट्स की सच्चाई। मेरे माता-पिता खुद डॉक्टर हैं और वो पहले से जानते थे कि मेडिकल की तैयारी कितनी कठिन होती है। इसलिए मैं मानसिक तौर पर थोड़ी तैयार थी लेकिन फिर भी उस समय को झेलना आसान नहीं था। मानुषी ने बताया, पेपर लीक के बाद मुझे अपनी सारी खुशियां एक तरफ रखनी पड़ीं। मैं एक प्रोफेशनल कुचिपुड़ी डांसर थी। मुझे पेंटिंग करना बहुत पसंद

था। दोस्तों के साथ समय बिताना, घूमना-फिरना, ये सब मुझे बहुत अच्छा लगता था लेकिन एंट्रेंस दोबारा होने की वजह से पूरे एक साल तक मैंने ये सब छोड़ दिया। सिर्फ पढ़ाई, कोचिंग और किताबें ही मेरा फोकस रहा। उस एक साल में मेरी दुनिया बहुत छोटी हो गई थी। सुबह से रात तक बस एक ही लक्ष्य था – दोबारा एग्जाम क्लियर करना। मानुषी ने आगे कहा, मेरा संघर्ष दूसरों के मुकाबले कुछ भी नहीं है। तैयारी के दौरान मैं ऐसे कई बच्चों से मिलीं, जिनकी कहानी सुनकर रोना आ जाता है, जिनके माता-पिता ने कोचिंग भेजने के लिए अपनी हैसियत से ज्यादा कर्ज किया। कई बच्चे छोटे शहरों से बड़े शहर आए थे और एक छोटे से कमरे में 4-5 लोग साथ रहते थे। दिन-रात सिर्फ एक एग्जाम के लिए पढ़ते थे। उनके पास कोई प्लान बी नहीं था। पेपर लीक के बाद की स्थिति के बारे में मानुषी ने कहा, जब आपको बताया जाता है कि महीनों की तैयारी के बाद अब 45 दिन और देने हैं, तो मन थक जाता है। लगता है कि अब और कहां से ताकत लाऊं। मैं खुद को खुशनसीब मानती हूं, क्योंकि मुझे घरवालों का पूरा सपोर्ट मिला। इसी सपोर्ट की वजह से मैं उस दौर से निकल पाईं। मेरे माता-पिता ने कहा था कि चाहे कुछ भी हो जाए, रोज एक घंटा एक्सरसाइज करनी है। चाहे बास्केटबॉल खेलो या जिम जाओ। ये एक घंटा मेरे दिमाग को फ्रेश रखता था। बातचीत के दौरान सोहा ने मानुषी से पूछा कि क्या ऐसा कोई पल आया जब उन्हें लगा कि अब डॉक्टर बनने का रास्ता नहीं चुनना है। जवाब में मानुषी ने कहा, ये फैसला एक दिन में नहीं आया।

सिर्फ स्क्रीन पर दिखना नहीं, असर छोड़ने वाले किरदार निभाना चाहती हूं : बरखा सिंह

बरखा सिंह ने अपने करियर की शुरुआत हल्के-फुल्के रोमांटिक और कमिंग-ऑफ-एज किरदारों से की थी, लेकिन पिछले तीन सालों में उन्होंने अपनी अभिनय यात्रा को एक नया आयाम दिया है। क्रिमिनल जस्टिस और अब टैक्स डिपार्टमेंट स्टोरी जैसे प्रोजेक्ट्स में दमदार और चुनौतीपूर्ण किरदार निभाकर उन्होंने खुद को एक बहुमुखी अभिनेत्री के रूप में साबित किया है। ब रखा का मानना है कि वह ऐसे किरदार निभाना चाहती हैं जो सिर्फ कहानी का हिस्सा न हों, बल्कि दर्शकों पर गहरी छाप भी छोड़ें। टैक्स डिपार्टमेंट स्टोरी में वह पहली बार एक भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) अधिकारी के दमदार किरदार में नजर आएंगी। अपने बदलते करियर चुनावों पर बात करते हुए बरखा ने कहा कि टैक्स डिपार्टमेंट स्टोरी में आईआरएस अधिकारी का किरदार निभाना उनके लिए बेहद खास अनुभव रहा और इससे उन्हें यह और भी स्पष्ट हो गया कि आगे वह किस तरह के किरदार करना चाहती हैं। बरखा सिंह ने कहा, मैं टैक्स डिपार्टमेंट स्टोरी में आईआरएस अधिकारी का किरदार निभाने को लेकर बेहद उत्साहित हूं। मेरी कोशिश हमेशा ऐसे किरदार निभाने की रहती है जो कहानी में सिर्फ मौजूद न हों, बल्कि उसे आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएं। मुझे ऐसे किरदार पसंद हैं जिनकी अपनी मजबूत आवाज़ हो, जो आज के दौर की जटिलताओं को दिखाएं और दर्शकों को कुछ सोचने पर मजबूर करें। अपनी विशलिस्ट के फिल्ममेकर्स का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, अगर मेरी विशलिस्ट की बात करूं तो लापता लेडीज़ के बाद मैं किरण राव के साथ काम करना चाहूंगी। इसके अलावा राख जैसी शानदार स्टोरीटेलिंग के लिए प्रोसित रॉय और पाताल लोक में बेहतरीन काम करने वाले अविनाश अरुण के साथ काम करना भी मेरा सपना है। इन तीनों की कहानी कहने की शैली बेहद अलग और प्रेरणादायक है। बरखा सिंह जल्द ही टैक्स डिपार्टमेंट स्टोरी में एक बिल्कुल नए और दमदार अंदाज़ में आईआरएस अधिकारी की भूमिका निभाती नजर आएंगी। दिलचस्प प्रोजेक्ट्स और स्पष्ट रचनात्मक सोच के साथ बरखा लगातार ऐसे किरदार चुन रही हैं जो न सिर्फ उनकी अभिनय क्षमता को नई ऊंचाइयों तक ले जाएं, बल्कि दर्शकों के दिलों में भी लंबे समय तक अपनी छाप छोड़ें।

20 करोड़ के बजट में बनी शहनाज गिल की फिल्म का रिकॉर्ड, बनी 2026 की चौथी हाईएस्ट ग्रॉसिंग पंजाबी फिल्म

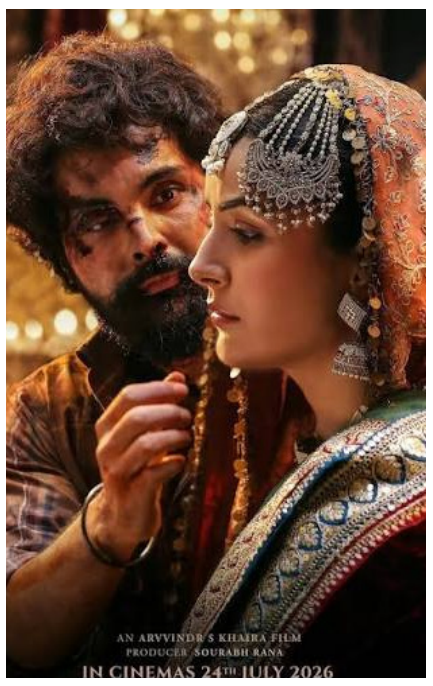

एक तरफ जहां हॉलीवुड स्पाईडर मैन-द ओडिसी और साउथ जन नायकन की फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर धमाका किया हुआ है. वहीं पंजाबी फिल्म इश्कनामा ने भी बॉक्स ऑफिस पर अपनी मजबूत पकड़ बनाई हुई है. फिल्म को फैंस ने अच्छा रिस्पॉन्स दिया है. फिल्म में शहनाज गिल और जय रंधावा लीड रोल में हैं. दोनों की जोड़ी को फैंस ने पसंद किया. फिल्म को अरविंद खैरा ने डायरेक्ट किया है. आइए नजर डालते हैं फिल्म के कलेक्शन पर. फिल्म के कलेक्शन की बात करें तो सैकनिल्क के मुताबिक, फिल्म ने पहले दिन 80 लाख की कमाई की थी. दूसरे दिन फिल्म ने 1 करोड़ कमाए. तीसरे दिन फिल्म ने 1.40 करोड़ का कलेक्शन किया. चौथे दिन फिल्म ने 65 लाख की कमाई की. पांचवें दिन फिल्म ने 80 लाख का कलेक्शन किया. छठे दिन फिल्म ने 55 लाख कमाए. सातवें दिन 50 लाख का कलेक्शन किया. फिल्म ने पहले हफ्ते में 5.70 करोड़ का बिजनेस किया. आठवें दिन फिल्म ने 50 लाख की कमाई की. फिल्म को आठवें दिन 729 शोज मिले. फिल्म को 21 परसेंट की ऑक्यूपेंसी मिली. फिल्म ने टोटल 6.20 करोड़ का नेट कलेक्शन किया. वहीं फिल्म ने 7.30 करोड़ का ग्रॉस कलेक्शन कर लिया है. फिल्म ने 31 परसेंट की बजट रिकवर कर लिया है. कोईमोई के मुताबिक, फिल्म 20 करोड़ के बजट में बनी है. अब फिल्म 2026 की चौथी हाईएस्ट ग्रॉसिंग फिल्म बन गई है. इश्कनामा ने एमी विर्क, बिन्नू ढिल्लों और सिमी चहल की बम्बुकट 2 को पछाड़ दिया है. फिल्म का अगला टारगेट इश्क़न दे लेखे है. हालांकि, अभी इस फिल्म का क्रॉस करना टफ टास्क है. लेकिन सेकंड वीकेंड में अगर फिल्म की कमाई बढ़ी तो फिल्म इश्क़न दे लेखे को पछाड़ने की तरफ बढ़ सकती है. इस लिस्ट में कैरी ऑन जट्टा 4 नंबर वन पर है. इस फिल्म ने 18.62 करोड़ की कमाई की थी. दूसरे नबंर पर रब्बा दा रेडियो 3 है. इस फिल्म ने 12.57 करोड़ की कमाई की थी. तीसरे नंबर पर इश्कन दे लेखे है. इस फिल्म ने 11.89 करोड़ की कमाई की थी. चौथे नबंर पर फिल्म 6.2 करोड़ की कमाई के साथ इश्कनामा है. पांचवें नंबर पर बम्बुकट 2 है. इस फिल्म ने 6.18 करोड़ की कमाई की थी.

देश की लीडरशिप को काम करने दीजिए

राष्ट्रीय सुरक्षा पर ध्यान देना ज़रूरी

अभिनेत्री तनुश्री दत्ता ने हाल ही में सोशल मीडिया के माध्यम से जेन-जी (युवा पीढ़ी) के विरोध प्रदर्शनों पर अपने विचार व्यक्त किए, जिसमें उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा और सीमांत मुद्दों पर तत्काल ध्यान देने की अपील की। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा करते हुए जेन-जी से अपने गुस्से को ज़िम्मेदारी से और समझदारी से व्यक्त करने का आग्रह किया। अपने बयान में तनुश्री दत्ता ने स्पष्ट रूप से कहा कि इस समय देश के किसी भी बड़े अधिकारी का इस्तीफा देश के लिए गंभीर रूप से नुकसानदायक साबित हो सकता है। उन्होंने भारत की मौजूदा भू-राजनीतिक स्थिति पर चिंता जताते हुए कहा, हम चारों ओर से घिरे हुए हैं। हर तरफ बॉर्डर पर तनाव है, खासकर बांग्लादेश बॉर्डर और चीन पर। उन्होंने आगे बताया कि बांग्लादेश बॉर्डर पूरी तरह से सील नहीं हुआ था, क्योंकि

वहाँ जो कुछ भी हो रहा था, वह रुकने लगा है, और इसीलिए थोड़ा विरोध तो स्वाभाविक है। तनुश्री ने रेखांकित किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने मिलकर बांग्लादेश बॉर्डर को सील करने का महत्वपूर्ण कदम उठाया था, जिसके बाद ये सारे मुद्दे सामने आए। उन्होंने स्वीकार किया कि छात्र आंदोलन की कोई वजह नहीं थी, ऐसा नहीं है, लेकिन अब वह हल हो चुका है और मुख्य मुद्दा सुलझ गया है, जिसका समाधान निकल चुका है। तनुश्री ने तर्क दिया, इस समय एक नए व्यक्ति पर भरोसा करना मुश्किल है। कौन जाने बॉर्डर का मुद्दा कहाँ से शुरू हो जाए। उन्होंने लोगों से यह समझने की अपील की कि अभी बदलाव का समय नहीं है, जहाँ जिसकी ड्यूटी लगी है उसे वहीं अपना काम करने देना चाहिए, क्योंकि देश की कमान संभालना दो दिन का काम नहीं होता। उन्होंने आगाह किया कि अभी इसे बदलने का मतलब है अपने देश को बॉर्डर के मामले में कमजोर करना, और देश के दुश्मन यही चाहते हैं कि हम बॉर्डर के मामले में कमजोर हों। अभिनेत्री ने माना कि पेपर लीक की वजह से जेन-जी का गुस्सा जायज़ था, लेकिन अब उस मुद्दे को सुलझाया जा रहा है और लीडरशिप इस पर काम कर रही है।

ऑफिस में काम करते समय मेकअप को लंबे समय तक खराब होने से बचाने के लिए अपनाएं ये 5 तरीके

ऑफिस में लंबे समय तक काम करते हुए मेकअप का बिगड़ना एक आम समस्या है। कई बार पसीना, हवा और अन्य कारणों से हमारा मेकअप खराब हो जाता है। इस लेख में हम आपको कुछ आसान सुझाव देंगे, जिन्हें अपनाकर आप अपने मेकअप को पूरे दिन बनाए रख सकते हैं और अपने चेहरे को ताजगी का अहसास करा सकते हैं। इन सुझावों से आपका मेकअप न केवल लंबे समय तक टिकेगा, बल्कि आपको ताजगी का अहसास भी कराएगा। प्राइमर एक ऐसा उत्पाद है, जो आपकी त्वचा को तैयार करता है और मेकअप को लंबे समय तक टिकाए रखता है। इसे लगाने से पहले अपनी त्वचा को अच्छे से साफ करें और फिर प्राइमर लगाएं। यह आपके मेकअप को स्मूद बेस देता है और उसे पूरे दिन बनाए रखता है। प्राइमर लगाने से आपका मेकअप न केवल लंबे समय तक टिकेगा, बल्कि आपकी त्वचा भी ताजगी भरी महसूस होगी। सेटिंग स्प्रे आपके मेकअप को स्थिर रखने में मदद करता है। इसे लगाने से पहले

अपने पूरे मेकअप को पूरा कर लें और अंत में चेहरे पर हल्का-सा स्प्रे करें। यह आपके मेकअप को पसीने और नमी से बचाएगा और उसे पूरे दिन ताजा बनाए रखेगा। इसके अलावा सेटिंग स्प्रे आपकी त्वचा को नमी भी देगा और आपको एक निखरा हुआ लुक देगा। इसे अपने बैग में हमेशा रखें, ताकि जरूरत पड़ने पर तुरंत इस्तेमाल कर सकें। ब्लॉटिंग पेपर आपके चेहरे से अतिरिक्त तेल और पसीने को सोखता है। इसे अपने बैग में रखें और जब भी आपको लगे कि आपका चेहरा थोड़ा चिपचिपा हो रहा है तो ब्लॉटिंग पेपर का इस्तेमाल करें। यह आपके मेकअप को खराब होने से बचाएगा और आपको ताजगी भरी महसूस होगी।

ब्लॉटिंग पेपर का उपयोग करने से आपका चेहरा साफ और ताजगी भरा दिखेगा, जिससे आप पूरे दिन आत्मविश्वास से भरी रहेंगी। हल्का पाउडर लगाने से आपका मेकअप सेट रहता है और चिपचिपाहट नहीं होती। इसे अपने चेहरे पर हल्का-सा लगाएं, खासकर माथे, नाक और ठोड़ी पर, जहां सबसे ज्यादा तेल निकलता है। पाउडर लगाने से आपका चेहरा न केवल साफ दिखेगा, बल्कि आपका मेकअप भी लंबे समय तक बरकरार रहेगा। इसके अलावा पाउडर लगाने से पसीने और नमी से बचाव होता है, जिससे आप पूरे दिन ताजगी भरा महसूस कर पाएंगी। लंबे समय तक कंप्यूटर स्क्रीन देखने से आंखें थकी हुई लगती हैं और इससे आंखों का मेकअप भी

बिगड़ सकता है। हर घंटे 5-10 मिनट का ब्रक लें और अपनी आंखों को आराम दें। इस दौरान अपनी आंखों को बंद करें या हल्का-सा मसाज करें। इससे आपकी आंखें तरोताजा रहेंगी और आपका मेकअप भी सही रहेगा। इन सरल टिप्स को अपनाकर आप अपने ऑफिस के काम करते समय भी खूबसूरत दिख सकती हैं।

Opposition has history of 'insulting' Hindu faith, opposing Ram Temple: BJP chief

New Delhi, Agency: BJP national president Nitin Nabin on Sunday attacked the Opposition over the Ram Temple issue, accusing it of having a history of "insulting" Hindu faith and opposing the Ram Temple movement.

He said no one would be allowed to hurt devotees' sentiments.

Addressing BJP workers in Lucknow, Nabin, without referring to the recent alleged donation theft case at the Ram Temple, said the government would act where required, but alleged that parties which had "insulted" the Hindu faith lacked the moral authority to question the temple

authorities.

Referring to the Ram Temple movement, he said, "These are the same people who questioned Lord Ram's existence, filed an affidavit in the Supreme Court calling Lord Ram imaginary, questioned the existence of the Ram Setu and ordered firing on kar sevaks." He said those now speaking about faith had earlier opposed the Ram Temple movement. "I want to state this clearly today... Even if our blood is shed, we will not allow anyone to tamper with the faith linked to Lord Ram's temple. We are prepared to make any sacrifice for it," he said.

"We will take action and we will rectify shortcomings wherever necessary. But these anti-Hindu forces, which have always insulted Hinduism, have no moral right to preach politics to us. Rahul Gandhi, Akhilesh Yadav and Arvind Kejriwal, do not think Hindu society is so weak that it will fall into your trap or act according to your dictates," he said. Recalling the Ram Janmabhoomi movement, Nabin said his father had participated as a kar sevak and had spent two months in jail. "My father had left Patna as a kar sevak and spent two months in jail. We did not know whether he would return home safely. And today you question our faith? We have made so many sacrifices and endured so much.

Can your family ever match that sacrifice and martyrdom? Your legacy is of bloodshed and firing on Hindus, while our legacy is of making sacrifices to protect the faith of our gods and goddesses," he said.

Just 28% NGOs, associations ever registered under FCRA currently active

New Delhi, Agency: Barely 27.7% of NGOs and associations ever registered under the Foreign Contribution (Regulation) Act, 2010, are currently active, with licences of the other 72.3% either cancelled or deemed expired.Since the home ministry started maintaining data on entities with valid FCRA registration in 2012, altogether 52,159 of them were granted licences to receive foreign funds. Of these, only 14,455 NGOs/associations currently have an 'active' FCRA licence; in other words, only they can receive foreign funding for the purposes listed under the 2011 rules. The registration of 22,498 NGOs has been cancelled, mostly since 2015, when over 10,000 associations lost their FCRA registration. The licences of another 15,206 NGOs are deemed cancelled, essentially after govt tightened FCRA law to make the NGOs more accountable in terms of financial transparency, use of foreign funds for declared purposes, and administrative control and expenses.

They failed to adhere to the tightened norms or voluntarily chose not to renew their registration after its five-year validity expired. State/UT-wise MHA data on associations with active, cancelled and deemed expired FCRA registration puts Tamil Nadu on top of the list.

As of date, the southern state has 2,104 active NGOs, while the licences of 2,865 have been cancelled and those of 1,774 NGOs, deemed expired. Tamil Nadu is a state known to have a major presence of NGOs, some of which were actively involved in protests against projects like the Kudankulam nuclear power plant. A secret dossier then prepared by Intelligence Bureau had linked them to influential foreign non-profits and claimed that the protests were orchestrated to sabotage development projects and economic progress in India. Many of these NGOs were eventually stripped of their registration for having violated FCRA norms, including one that bars foreign-funded NGOs from engaging in activities prejudicial to national interest.

The state with the second highest number of active NGOs is Maharashtra. Of the 5,440 FCRA-registered NGOs there, 1,583 are currently active, while the licences of 2,211 have been cancelled and those of 1,646, deemed expired since 2012.

Data on state-wise percentage of NGOs with "cancelled" and "deemed expired" status shows Bihar at the top with 85.2% of them in these two categories, followed by UP (83.7%), Nagaland (83.3%), Tripura (80%), Maharashtra (78.9%), Manipur (78.6%) and Bengal (78.2%).

Childcare, housework keep 69% urban women out of work: NSO

New Delhi, Agency: Childcare and household chores keep around 69% women out of the labour force in India's top 46 cities with million-plus population, highlighting the gender-bias in nature of care work even among the more affluent areas of the country, a new National Statistics Office survey has shown. The survey on labour market indicators for the large cities, first reported by Media on Tuesday, showed that just 1% of the women cited "social reasons" for being out of the labour force, although the report did not elaborate on it.

In contrast, 1% of men cited childcare and household work as the reason for being out of the labour force. India has among the lowest female labour force participation rates among the world's major economies, estimated at 30.7% in 2025, although it has shown an upward trend in recent years. Within the country, the trends vary across cities. For instance, 83% women in Howrah cited childcare and household chores as the reason for being out of the labour force, followed by Surat (81%), Pimpri Chinchwad and Bhopal (78%), and Dhanbad (77%).

15 of 20 fertiliser ships stuck at Hormuz set sail, relief for farmers

New Delhi, Agency: Fifteen out of 20 India-bound ships in the Persian Gulf carrying fertiliser cargo have safely crossed the Strait of Hormuz, which will help augment the country's soil nutrient stocks, govt said Sunday. In addition, for three consecutive months - April to June - domestic urea production has surpassed the target, with 71.6 lakh tonnes having been produced in these months as against the target of 67.9 lakh tonnes. The two developments will ensure adequate fertiliser availability for farmers during the ongoing kharif crop cultivation, officials said. Fertiliser minister J P Nadda said govt had focused on getting soil nutrients through alternative routes during the crisis. He added that Indian missions abroad had actively assisted the department in establishing contact with potential global producers and suppliers.

Mercedes car hits scooter travelling on 'wrong side' in Gurugram, 1 killed

Gurugram, Agency: A 32-year-old scooter rider, who was allegedly travelling on the wrong side of the Sohna elevated road, was killed after his two-wheeler collided head-on with a Mercedes near Vatika Chowk Saturday night, police said on Sunday. The deceased was identified as Vipin Kumar, a resident of Jharsa, Sector 32, police said.

According to investigators, Kumar was riding his Honda Activa towards Sohna from Subhash Chowk in the wrong direction when it collided head-on with a white Mercedes-Benz E-Class registered in Faridabad on the elevated section of Sohna Road above Vatika Chowk between 11.45pm on Saturday and 12.10am on Sunday. Police said the

Mercedes, carrying a couple and two children, was travelling towards Rajiv Chowk from Sohna. The occupants of the car escaped unhurt. The impact extensively damaged the car's front and completely crumpled the scooter, officers added.

Sandeep Turan, public relations officer of Gurugram police, said the Mercedes driver alerted the police control room immediately after the crash and submitted dashcam footage of the incident. "The driver had submitted the dashcam footage to the police. Prima facie, it seems that Kumar was travelling in the wrong direction, which resulted in the accident," he said.

Turan said commuters stopped a passing ambulance and rushed Kumar to the Civil Hospital in Sector 10A, where doctors declared him dead on arrival. "He had sustained severe head injuries as he was flung in the air and landed on the car's windscreen," he said.

Meanwhile, Kumar's uncle Hari Singh alleged that the family was informed about the accident nearly five hours later. "We rushed to civil hospital to find him dead. Police were initially not ready to register even an FIR in the case while trying to save the Mercedes driver and blaming everything on my nephew," he told HT.

Meta told to remove child abuse content from Instagram

New Delhi, Agency: The Ministry of Electronics and Information Technology has issued a notice to the US giant, Meta, ordering it to remove all child sexual abuse material appearing in s on Instagram.

The ministry has sought a detailed response from Meta within seven days. It also said failure to provide the requested information could result in legal action.

The social media platform allegedly displayed s containing objectionable terms, which directed users to Telegram channels where such material was reportedly being sold.

The government asked how such s were approved, what corrective measures Meta had taken since the allegations surfaced and

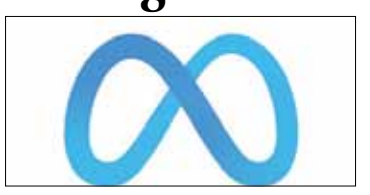

what safeguards it planned to put in place to prevent similar incidents in the future. In a statement earlier, Meta said it has a "zero-tolerance policy for soliciting or sharing" such content, adding that its teams were constantly working to improve its defences.

The government's action follows reports and an international media investigation alleging that paid s on Instagram were directing users to external platforms hosting child sexual abuse material. Some s allegedly used coded language and links to facilitate access to illegal content.

In a first, Hindu members included in Madhya Pradesh Wakf board after law amendment

New Delhi, Agency: Madhya Pradesh has become the first state in the country to reconstitute its Wakf Board under the Wakf (Amendment) Act, 2025, with the newly formed body including two Hindu members for the first time. The move follows changes introduced under the amended law, which allows non-Muslim members to be part of state Wakf Boards.

The Madhya Pradesh government has reorganised the 10-member Wakf Board, with chief minister Mohan Yadav appointing Sanwar Patel as its chairman.

The newly constituted board includes Manoj Malpani and Animesh Bhargava as Hindu members, making it the first state-level Wakf Board in the country to include non-Muslim members under the amended Act. A gazette notification notifying the new board was issued on Sunday.

"Madhya Pradesh has become the first state in the country to reorganise the Wakf Board under the new Act," an official told news agency PTI.

Exercising its powers under Section 13(1) of the Wakf Act,

1995, as amended in 2025, the state government constituted the board in accordance with the provisions of Section 14 of the Act.

The Wakf Board is a statutory body responsible for administering and safeguarding Wakf properties in the state. Its responsibilities include maintaining records of Wakf properties, overseeing their use and income, protecting them from encroachment and ensuring that they are utilised for religious, educational and social welfare purposes.

Besides chairman Sanwar Patel, the newly constituted board comprises Najma Heptulla from New Delhi, Atif Aqueel from Bhopal, Faizan Khan from Ujjain, Fatema Choudhary from Indore, Shaista Sultan, Shabana Khan, Manoj Malpani from Indore and Animesh Bhargava from Raghogarh in Guna.

Man kills wife with help of girlfriend, then flees to Nepal; arrested upon return;

New Delhi, Agency: A 25-year-old man and his 38-year-old partner were arrested for allegedly killing his 22-year-old wife in Manesar and fleeing to Nepal, police said on Sunday.= According to police, the accused, residents of Manesar and Aurangabad village in Jhajjar, returned to India on June 30 and were apprehended near Rishikesh, Uttarakhand. They were brought to Gurugram on Saturday and formally arrested.

Investigators said the husband spent a substantial amount on a hair transplant in Rishikesh and got both ears pierced to alter his appearance.

How did the case unfold?

Police said the couple had married in February. The murder came to light on May 22 after the victim's mother filed a missing person complaint at Manesar police station, alleging her daughter had disappeared a day earlier and suspecting the husband and his family. Within hours, police recovered the victim's body from the bathroom of a rented house in Manesar with a gunshot wound to the head. Sandeep Turan, public relations officer of Gurugram police, said the rented accommodation belonged to the partner.

Catch the thieves, not critics': Congress slams VHP over Ayodhya temple donation probe letter

NEW DELHI: The Congress on Sunday hit back at the Vishva Hindu Parishad (VHP) after its international president Alok Kumar wrote to the investigating officer in the Ayodhya Ram Temple donation theft case, urging the police to summon Opposition leaders who have publicly alleged irregularities and ask them to provide evidence.

The Congress accused the VHP and the BJP of trying to divert attention from the investigation instead of identifying those responsible for the alleged embezzlement of temple offerings.

Sharing a video on X, Congress leader Pawan Khera said fresh allegations and evidence were continuing to emerge in the case. Referring to Alok Kumar's letter, Khera questioned why Opposition leaders were being asked to provide proof instead of the investigating agencies identifying the accused. INCIndia (@INCIndia) New allegations are surfacing every day, and fresh evidence is coming to light, in the case of the theft of offerings at the Ayodhya Ram Temple,"Khera said.

He added, "Today, Vishva Hindu Parishad's Alok Kumar has written a letter to the investigating officer, suggesting that he demand evidence of the theft from Priyanka Gandhi ji, Akhilesh Yadav ji, and Ram Gopal Yadav ji." Questioning the demand, Khera said, "Does that mean someone else commits the theft, and someone else provides the evidence He further alleged that the real intention was not to identify those responsible for the alleged theft. The truth is that catching the thieves is simply not in their intentions. Their intent, as always, is to emotionally manipulate Hindu society to run their own shops," he said.